✳Website : www.kalamlok.com✳

वर्ष - 09 अंक - 337

बक्सर, मंगलवार 21 अप्रैल 2026

कलम लोक

पृष्ठ - 8
मूल्य 2 रू.

"संन्यासी स्वरूप बनाने से अहंकार बढ़ता है, कपड़े मत रंगवाओ, मन को रंगों तथा भीतर से संन्यासी की तरह रहो।

700 पूर्व नौकरशाहों, शिक्षाविदों की चिट्ठी

एमसीसी का उल्लंघन है पीएम का राष्ट्र के नाम संबोधन, सीईसी लें ऐक्शन

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व नौकरशाहों, शिक्षाविदों, कार्यकर्ताओं और पत्रकारों सहित 700 से अधिक लोगों ने चुनाव आयोग को पत्र लिखकर आरोप लगाया है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का 18 अप्रैल का राष्ट्र के नाम संबोधन आदर्श आचार संहिता का स्पष्ट उल्लंघन है। चिट्ठी लिखने वाले लोगों ने केंद्रीय चुनाव आयोग से इस मामले में जांच कर ऐक्शन लेने के अलावा सुधारात्मक उपाय की मांग की है। मुख्य निर्वाचन आयुक्त को संबोधित एक शिकायत में, हस्ताक्षरकर्ताओं ने दावा किया कि दूरदर्शन, संसद टीवी और आकाशवाणी जैसे आधिकारिक प्लेटफार्म पर प्रसारित यह संबोधन, आदर्श आचार संहिता अवधि के दौरान ''चुनाव प्रचार'' के समान था।

वर्तमान में असम, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में आदर्श आचार संहिता लागू है। असम, केरल और पुडुचेरी में नौ अप्रैल को मतदान हुआ था, जबकि तमिलनाडु में 23 अप्रैल को तथा पश्चिम बंगाल में 23 और 29 अप्रैल को मतदान होना है। मतगणना 4 मई को होगी। शिकायत में कहा गया कि इस तरह के संबोधन के लिए सरकार के वित्त पोषण वाली मीडिया का उपयोग सत्तारूढ़ पार्टी को ''अनुचित लाभ'' देता है और स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनावों के लिए आवश्यक समान अवसर को कमतर करता है। शिकायतकर्ताओं ने निर्वाचन आयोग के प्रावधानों का हवाला देते हुए कहा कि मंत्रियों पर आधिकारिक कार्यों को चुनाव प्रचार से जोड़ने और सरकारी तंत्र का इस्तेमाल पक्षपातपूर्ण उद्देश्यों के लिए करने की पाबंदी है। पत्र में निर्वाचन आयोग से इस मामले का संज्ञान लेने, संबोधन की विषयवस्तु और तौर-तरीके की जांच करने और उचित कार्रवाई शुरू करने का आग्रह किया गया। इसमें यह भी मांग की गई कि यदि प्रसारण के लिए पूर्व अनुमति प्राप्त थी तो अन्य राजनीतिक दलों को भी सार्वजनिक प्रसारकों पर समान समय आवंटित किया जाए।

हस्ताक्षरकर्ताओं में मोदी सरकार में मंत्री के पति भी

हस्ताक्षरकर्ताओं में मोदी सरकार में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के पति और राजनीतिक अर्थशास्त्री पी. प्रभाकर, दिल्ली के पूर्व उपराज्यपाल नजीब जंग, सामाजिक कार्यकर्ता योगेन्द्र यादव, अर्थशास्त्री जयति घोष, संगीतकार-लेखक टी एम कृष्णा, पूर्व केंद्रीय सचिव ई ए एस शर्मा, कार्यकर्ता हर्ष मंदर, पत्रकार पी. गुहा ठाकुरता, शिक्षाविद जोया हसन और पूर्व राजदूत मधु भादुड़ी शामिल हैं।

अविलंब और शीघ्रता से कार्रवाई हो

अन्य लोगों में पारदर्शिता कार्यकर्ता अंजली भारद्वाज, पूर्व सिविल सेवक आशीष जोशी, अमिताभ पांडे और ए. शुक्ला, पत्रकार जॉन दयाल और विद्या सुब्रमण्यम और भाकपा नेता एनी राजा के साथ-साथ कई शिक्षाविद, वकील और सामाजिक कार्यकर्ता शामिल हैं। हस्ताक्षरकर्ताओं ने कहा कि आयोग को ''चुनावी प्रक्रिया की शुचिता को बनाए रखने'' के लिए इस मामले में अविलंब और शीघ्रता से कार्रवाई करनी चाहिए।

मुंबई इंडियंस ने आईपीएल में पहली बार किया ऐसा

तिलक के तूफान और अश्विनी के 'चौके' से तबाह हुई जीटी

मुंबई (एजेंसी)। हार्दिक पांड्या की अगुवाई वाली मुंबई इंडियंस (एमआई) आईपीएल 2026 में जीत की पटरी पर लौट आई है। एमआई ने लगातार चार हार के बाद सोमवार को गुजरात टाइटंस (जीटी) के खिलाफ 99 रनों से जीत दर्ज की। यह मौजूदा सीजन में रनों के लिहाज से सबसे बड़ी जीत है। तिलक वर्मा के तूफानी शतक की बदौलत एमआई ने अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में जीटी के सामने 200 रनों का टारगेट रखा। जवाब में गुजरात की टीम 15.5 ओवर में 100 रनों पर सिमट गई। तिलक के तूफान के बाद तेज गेंदबाज अश्विनी कुमार के 'घातक चौके' ने जीटी को तबाह किया। उन्होंने चार ओवर में महज 24 रन देकर चार विकेट चटकाए। स्पिनर मिचेल सेंटनर और अल्लाह गजनफर ने दो-दो जबकि जसप्रीत बुमराह और हार्दिक ने एक-एक शिकार किया। पांच बार की चैंपियन एमआई ने पहली बार अहमदाबाद के मैदान पर जीटी को मात दी है।

तिलक वर्मा ने की दो अहम साझेदारियां

मुंबई ने गुजरात के खिलाफ पांच विकेट पर 199 रन बनाए। तिलक ने आईपीएल के अपने पहले शतक के दौरान 45 गेंद में आठ चौकों और सात छक्कों से नाबाद 101 रन की पारी की। उन्होंने हार्दिक पांड्या (16 गेंद में 15) के साथ पांचवें विकेट के लिए 81 और नमन धीर (45) के साथ चौथे विकेट के लिए 52 रन की साझेदारी की। तिलक की पारी की बदौलत मुंबई की टीम अंतिम चार ओवर में 73 रन जोड़ने में सफल रही।

ओडिशा में 9.8 लाख मतदाताओं के नाम हटाने पर बवाल

सीईओ बोले- पहले सत्यापन करो

कटक (एजेंसी)। ओडिशा में मतदाता सूची से नाम हटाने को लेकर बड़ा मामला सामने आया है। ओडिशा के मुख्य निर्वाचन अधिकारी आर. एस. गोपालन ने निर्देश दिया कि लगभग 9.8 लाख मतदाताओं के नाम हटाने से पहले उचित सत्यापन किया जाए। उन्होंने विशेष रूप से उन 2 लाख लोगों के मामलों की जांच पर रोक लगाने को कहा है, जिन्होंने अपने नाम गलत तरीके से हटाए जाने की शिकायत दर्ज कराई है। अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि कम से कम 50 प्रतिशत मामलों का दोबारा सत्यापन किया जाए।

राज्य में बड़ी संख्या में शिकायतें मिलने के बाद CEO ने सभी जिलों के निर्वाचन पंजीकरण अधिकारियों को मतदाता सूची की गहन जांच करने का आदेश दिया। बूथ लेवल अधिकारियों ने मौत या स्थान परिवर्तन के आधार पर करीब 9.8 लाख नाम हटाने के लिए चिन्हित किए थे। हालांकि, गोपालन ने स्पष्ट किया कि BLO को नाम हटाने का अधिकार नहीं है, अंतिम फैसला ERO ही लेंगे। ष्टश्वह्र ने बताया कि ओडिशा में हर साल आमतौर पर 7 से 9 लाख नाम मतदाता सूची से हटाए जाते हैं, लेकिन इस बार यह संख्या बढ़कर 9.8 लाख तक पहुंच गई है।

ईरान की जिद के सामने ट्रंप की हेकड़ी हुई गुम?

शांति के लिए अब खुद ईरानी नेताओं से मिलने को तैयार

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने युद्ध से हटकर बातचीत के जरिए संघर्ष सुलझाने के संकेत दिए हैं। ट्रंप ने कहा कि इस्लामाबाद में होने वाली दूसरे राउंड की वार्ता में अगर बात बनती है, तो वह शांति के लिए ईरानी नेताओं के साथ आमने-सामने बात करने को भी तैयार हैं। ट्रंप का यह बयान ऐसे समय में सामने आया है, जब अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस, विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुशनर बातचीत के लिए इस्लामाबाद आने वाले हैं। लेकिन इस वार्ता पर अभी तक ईरान की तरफ से असमंजस की स्थिति बनी हुई है।

न्यूयॉर्क पोस्ट के मुताबिक, रविवार को ट्रंप ने इस बात की पुष्टि की है कि पाकिस्तान में होने वाली वार्ता में हिस्सा लेने के लिए तीनों मुख्य नेता पाकिस्तान के लिए रवाना हो चुके हैं। उन्होंने कहा, 'वह यहां से जा रहे हैं, वह रात में इस्लामाबाद पहुंच जाएंगे' हालांकि ट्रंप ने पहले जे डी वेंस के पाकिस्तान जाने को लेकर इनकार किया था। लेकिन बाद में वाइट हाउस ने वेंस के इस शांति वार्ता में शामिल होने की पुष्टि की थी।

अमेरिका भले ही बातचीत के जरिए इस मुद्दे को सुलझाने का दावा कर रहा हो, लेकिन ईरान को इस पर भरोसा नहीं है। ईरानी सरकारी मीडिया के मुताबिक, ईरान सरकार इस दौर की वार्ता में शामिल न होने की योजना बना रही है। इसके पीछे की वजह के तौर पर एजेंसी ने बताया कि तेहरान सरकार के इस फैसले के पीछे सबसे बड़ी वजह अमेरिका द्वारा रखी जा रही अवास्तविक मांगें ही है। इसके अलावा ट्रंप पहले ही सीजफायर के नियमों का उल्लंघन करते हुए विरोधाभासी बयान दे चुके हैं और उन्होंने होर्मुज के बाहर समुद्री नाकेबंदी हटाने से भी इनकार कर दिया है।

आमने-सामने की वार्ता करने को तैयार ट्रंप

ईरान भले ही अब वार्ता से दूर हो रहा है लेकिन डोनाल्ड ट्रंप इस युद्ध को सुलझाने के लिए उतावले नजर आ रहे हैं। रविवार को ट्रंप ने ईरान द्वारा बातचीत शुरू होने के पहले ही विफल होने के दावे को खारिज कर दिया। ट्रंप ने कहा, 'हमें बातचीत करनी है। इसलिए मुझे नहीं लगात है कि यहां पर कोई खेल खेल रहा है।' इसके अलावा ट्रंप ने ईरानी नेताओं से सीधे मिलने की संभावना भी खुली रखी। उन्होंने कहा, 'मुझे उनसे मिलने में कोई दिक्कत नहीं है, अगर वे मिलना चाहते हैं, तो हम मिल सकते हैं।' हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि अमेरिका का मुख्य मुद्दा ईरान का परमाणु कार्यक्रम है। यह पूरी तरह साफ है कि ईरान के पास कोई परमाणु हथियार नहीं होगा।

इलाहाबाद हाईकोर्ट का अहम फैसला

आपराधिक मुकदमे में बरी हुए तो भी सरकारी कर्मी को बहाली का अधिकार नहीं

प्रयागराज (एजेंसी)। यूपी के इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में कहा है कि केवल आपराधिक मामले में बरी होने के आधार पर किसी सरकारी कर्मचारी को स्वत: सेवा में बहाल नहीं किया जा सकता। कोर्ट ने कहा कि यदि विभागीय जांच में आरोप सिद्ध होते हैं, तो ऐसी कार्रवाई बरकरार रह सकती है, भले ही आपराधिक मुकदमे में अभियुक्त को राहत मिल गई हो। पुलिस कांस्टेबल कुंवर पाल सिंह की याचिका की सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति अनीश कुमार गुप्ता ने सुप्रीम कोर्ट के विभिन्न निर्णयों का हवाला दिया।

कोर्ट ने कहा कि आपराधिक मुकदमा और विभागीय कार्यवाही अलग-अलग दायरे में चलते हैं और दोनों के मानक भी भिन्न होते हैं। यूपी के फिरोजाबाद से जुड़े एक मामले में सुनवाई करते हुए न्यायालय ने यह भी स्पष्ट किया कि यदि दोनों कार्यवाहियों में आरोप, साक्ष्य और गवाह समान हों और आपराधिक न्यायालय द्वारा 'सम्मानपूर्वक बरी' किया गया हो, तो स्थिति अलग हो सकती है। लेकिन यदि बरी होना केवल संदेह का लाभ या गवाहों के मुकर जाने के कारण हुआ हो, तो विभागीय कार्रवाई पर उसका प्रभाव नहीं पड़ता।

राजस्थान की पचपदरा रिफाइनरी में लगी भीषण आग

बालोतरा (एजेंसी)। राजस्थान के बलोतरा जिले में स्थित पचपदरा रिफाइनरी में सोमवार को भीषण आग लग गई। अभी यह शुरू नहीं हुई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार 21 अप्रैल को इसका उद्घाटन करने वाले हैं। आग दोपहर करीब 2 बजे क्रूड डिस्टीलेशन यूनिट (सीडीयू) में लगी थी, जिसके बाद धुएं का गुबार उठा। कर्मचारियों ने आग से बचाव का सायरन बजा दिया, जिससे सभी कर्मचारी समय रहते बच निकले। अभी आग को काबू करने का प्रयास चल रहा है। पुलिस और प्रशासन के साथ अग्निशमन विभाग की टीम मौके पर पहुंच गई है।

मनरेगा को लेकर आ गया बड़ा अपडेट, मोदी सरकार ने जारी किए 17744 करोड़

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र की मोदी सरकार ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) के मजदूरी घटक के लिए वित्तीय वर्ष 2026-27 की पहली किस्त के रूप में 17,744 करोड़ रुपये राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को जारी कर दिए हैं। इस राशि का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में मजदूरों को समय पर मजदूरी भुगतान सुनिश्चित करना है। ग्रामीण विकास मंत्रालय के अनुसार, चालू वित्तीय वर्ष में अब तक काम की मांग में कोई असामान्य वृद्धि नहीं देखी गई है। हालांकि, सामान्य रूप से इस अवधि में विभिन्न राज्यों में रोजगार की मांग अधिक रहती है।

सरकार ने स्पष्ट किया है कि प्रस्तावित वीबी-जी राम जी एक्ट के लागू होने तक मनरेगा योजना पूरी तरह से संचालित रहेगी। इस दौरान ग्रामीण मजदूरों को मांग के आधार पर काम उपलब्ध कराया जाएगा और समय पर मजदूरी का भुगतान सुनिश्चित किया जाएगा। मंत्रालय ने कहा कि नए ढांचे में सुचारू संक्रमण सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। जरूरत पड़ने पर अतिरिक्त वित्तीय प्रावधान भी किए जाएंगे। आगामी योजना के तहत संशोधित मजदूरी दरों को शीघ्र ही अधिसूचित कर दिया जाएगा। फिलहाल मौजूदा अधिसूचित मजदूरी दरें ही लागू रहेंगी और मजदूरों को बिना किसी रुकावट के भुगतान जारी रहेगा। इस फंड रिलीज से निकट भविष्य में ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार की मांग और आपूर्ति दोनों को बनाए रखने में मदद मिलने की उम्मीद है। सरकार ने सभी राज्यों से अपील की है कि जारी किए गए फंड का समयबद्ध और प्रभावी उपयोग किया जाए ताकि मजदूरों को भुगतान में कोई देरी न हो। इसके अलावा, प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के तहत मार्च 2029 तक 4.95 करोड़ घरों के निर्माण का लक्ष्य रखा गया है। योजना में प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण, प्रभावी निगरानी और चल रही परियोजनाओं को समय पर पूरा करने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

15वीं मंजिल से कूदकर दिल्ली हाई कोर्ट के वकील ने दी जान

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के कनॉट प्लेस इलाके में स्थित एक होटल की 15वीं मंजिल से कूद कर 26 वर्षीय वकील ने आत्महत्या कर ली। इसके बाद इलाके में हड़कंप मच गया। पुलिस को सीपी के रॉयल प्लाजा होटल में हुई इस घटना की सूचना रविवार रात करीब सवा नौ बजे दी गई। मृतक की पहचान दिल्ली हाई कोर्ट के वकील राजेश सिंह के रूप में हुई है, जो उसी दिन शाम में होटल में ठहरने आया था। पुलिस के एक बयान के मुताबिक, पुलिस दल ने होटल पहुंच कर पाया कि महावीर एनक्लेव निवासी सिंह ने इमारत की 15वीं मंजिल से छलांग लगा दी थी।

सम्राट सरकार ने पुराना आदेश बदला

बिहार में सरकारी कर्मचारी-अधिकारी दे सकेंगे प्रतियोगिता परीक्षा

पटना (एजेंसी)। बिहार की नई सरकार ने कार्यभार संभालते ही सरकारी कर्मचारियों और अधिकारियों के हित में एक बड़ा फैसला लिया है। नगर विकास विभाग द्वारा पूर्व में जारी उस विवादित आदेश को वापस ले लिया गया है, जिसके तहत सरकारी सेवा में रहते हुए अन्य प्रतियोगिता परीक्षाओं में बैठने पर कड़े प्रतिबंध लगाए गए थे। सरकार के इस कदम से राज्य के सरकारी कर्मचारियों ने राहत की सांस ली है।

6 अप्रैल को नगर विकास विभाग ने एक आदेश जारी किया था, जिसमें कहा गया था कि कोई भी सरकारी कर्मी या अधिकारी अपने सेवाकाल के दौरान केवल एक बार ही विभागीय या प्रतियोगिता परीक्षा में शामिल हो सकता है। इसके बाद किसी भी अन्य परीक्षा में बैठने पर सख्त पाबंदी लगा दी गई थी। आदेश में यहाँ तक चेतावनी दी गई थी कि यदि कोई इस नियम का उल्लंघन करता है, तो उसे सेवा से त्यागपत्र देना होगा। इस आदेश के बाद सरकारी कर्मियों में काफी डर और असंतोष का माहौल था।

सम्राट चौधरी की पहल पर मिली राहत

नई सरकार के गठन के बाद मुख्यमंत्री स्तर पर विभिन्न विभागों की समीक्षा की जा रही है। सूत्रों के मुताबिक, मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने इस मामले में संज्ञान लिया और कर्मियों के करियर ग्रोथ को ध्यान में रखते हुए इस पुराने आदेश को निरस्त करने का निर्देश दिया। अब सरकारी कर्मी नौकरी में रहते हुए भी अपनी योग्यता बढ़ाने और अन्य ऊँचे पदों के लिए आयोजित होने वाली परीक्षाओं में भाग ले सकेंगे। उन्हें फिर से परीक्षा में शामिल होने की अनुमति मिलने का रास्ता साफ़ हो गया है।

निवेशकों के लिए बड़ी खबर

बड़ा ऐलान: शेयरधारकों को फ्री शेयर देगी वेदांता

नई दिल्ली (एजेंसी)।

मेटल और माइनिंग सेक्टर की बड़ी कंपनी वेदांता लिमिटेड ने अपने डिमर्जर (कंपनी विभाजन) को लेकर बड़ा अपडेट दिया है। कंपनी के बोर्ड ने 1 मई 2026 को इस डिमर्जर की रिकॉर्ड डेट और इफेक्टिव डेट तय की है। इसका मतलब यह है कि इस तारीख तक जिन निवेशकों के पास कंपनी के शेयर होंगे, उन्हें नई कंपनियों के शेयर भी मिलेंगे। आइए जरा विस्तार से इसकी डिटेल्स जानते हैं।

इस डिमर्जर के तहत मौजूदा वेदांता को कई अलग-अलग कंपनियों में बांटा जाएगा। इसमें एल्युमिनियम, पावर, ऑयल एंड गैस और अन्य बिजनेस शामिल हैं। सबसे खास बात यह है कि शेयरधारकों को 1:1 के अनुपात में शेयर मिलेंगे, यानी अगर आपके पास वेदांता का 1 शेयर है, तो आपको नई कंपनियों जैसे वेदांता अल्युमीनियम मेटल लिमिटेड और तलवंडी साबो पावर लिमिटेड का भी 1-1 शेयर मिलेगा। इसी तरह अन्य डिमर्ज्ड यूनिट्स में भी हिस्सेदारी दी जाएगी।

यह कदम भारत के मेटल सेक्टर में अब तक के सबसे बड़े कॉरपोरेट री-स्ट्रक्चरिंग में से एक माना जा रहा है।

अभी तक वेदांता एक डाइवर्सिफाइड कंपनी थी, जिसमें कई तरह के बिजनेस शामिल थे। लेकिन, डिमर्जर के बाद हर बिजनेस अलग-अलग लिस्टेड कंपनी के रूप में काम करेगा। इससे निवेशकों को यह फायदा होगा कि वे अपनी पसंद के सेक्टर जैसे एल्युमिनियम या ऑयल में सीधे निवेश कर सकेंगे।

हवा में उछली पगड़ी, बाहर आई कृपाण

जर्मनी में गुरुद्वारे के बाहर 40 से अधिक लोगों के बीच हिंसक झड़प, 11 घायल

मोएर्स (एजेंसी)। जर्मनी के मोएर्स में एक गुरुद्वारे के बाहर रविवार को 40 से ज्यादा लोगों के बीच में हिंसक झड़प हो गई है। इस लड़ाई में हमलावरों ने पेपर स्प्रे, चाकू और कृपाण से एक-दूसरे पर हमला कर दिया। जर्मन मीडिया के मुताबिक गुरुद्वारे के प्रबंधन को लेकर दो पक्षों के बीच में यह झगड़ा हुआ था, इसमें 11 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं।

जर्मन अखबार बिल्ड की रिपोर्ट के मुताबिक यह टकराव रविवार दोपहर को हल्की बहस बाजा के साथ शुरू हुआ था, लेकिन देखते ही देखते इसने हिंसक रूप ले लिया। घटनास्थल पर मौजूद लोगों के मुताबिक, दोनों पक्षों के बीच में विवाद शुरू हुआ। एक पक्ष के लोग पहले से ही लड़ाई के लिए तैयार थे। उनके पास पेपर स्प्रे और चाकू थे। इन लोगों ने पहले पेपर स्प्रे का उपयोग किया उसके बाद फिर चाकूओं से हमला करना शुरू कर दिया। कथित तौर पर इस दौरान किसी ने फायरिंग भी की।

रिपोर्ट्स के मुताबिक मोएर्स के गुरुद्वारे में हुई हिंसा को समुदाय के भीतर नेतृत्व को लेकर चल रही लड़ाई का परिणाम माना जा रहा है। यहां पर मुख्य विवाद इस बात को लेकर है कि गुरुद्वारे की मुख्य कमेटी के ऊपर किसका प्रभुत्व रहेगा। इस मामले पर ज्यादा जानकारी देते हुए स्वतंत्र पत्रकार रविंद्र सिंह रोबिन ने एक्स पर पोस्ट किए एक वीडियो में बताया कि यह झड़प गुरुद्वारे की गोलक (दान पेटी) को लेकर विवाद और पहले की प्रबंधन समिति द्वारा दोबारा नियंत्रण हासिल करने की कोशिश के कारण हुई। उन्होंने बताया कि दोनों पक्षों के बीच में हुई इस हिंसा से गुरुद्वारे में मौजूद भक्त घबरा गए और वहां से भागने लगे। एक गवाह ने बताया कि इस दौरान कई लोग गुरुद्वारे से बाहर निकल आए। जर्मनी की पुलिस के मुताबिक इस घटना में अभी तक 11 लोगों के गंभीर रूप से घायल होने की खबर है। लोगों ने पगड़ियां पहन रखी थीं, लेकिन इसके बाद भी ज्यादातर लोगों के सिर में ही चोट लगी है।

नीतीश कुमार पर राहुल गांधी का बड़ा दावा, बताया सुशासन बाबू ने क्यों छोड़ी मुख्यमंत्री की कुर्सी?

चेन्नई (एजेंसी)।

लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने सोमवार (20 अप्रैल) को बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री और JDU अध्यक्ष नीतीश कुमार पर बड़ा दावा करते हुए NDA पर ज़ोरदार हमला बोला है। कांग्रेस नेता ने दावा किया कि सुशासन बाबू यानी नीतीश कुमार ने भाजपा के दबाव में आकर बिहार के मुख्यमंत्री की गद्दी छोड़ी है। तमिलनाडु में चुनाव प्रचार के दौरान एक सभा को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री कम्प्रोमाइज्ड हो गए थे। यानी भाजपा के 'दबाव' में आ चुके थे। इसीलिए उन्हें यह पद छोड़ना पड़ा।

तूतीकोरिन में सत्ताधारी DMK-कांग्रेस गठबंधन के लिए प्रचार करते हुए, राहुल ने नीतीश कुमार पर निशाना साधा और कहा, 'नीतीश कुमार ने भाजपा को एक शब्द भी नहीं कहा; वह चुपचाप सीएम की कुर्सी छोड़कर राज्यसभा चले गए।' कांग्रेस नेता ने BJP पर भी हमला बोलेते हुए कहा, 'हम BJP को तमिलनाडु में ऐसी सरकार बनाने की इजाज़त कभी नहीं देंगे, जिसे वे अपने कंट्रोल में रख सकें।' उन्होंने कहा कि भाजपा तमिलनाडु में भी ऐसी ही सरकार चाहती है जिसे वह पूरी तरह से कंट्रोल कर सके। उन्होंने कहा कि भाजपा बिहार की ही तरह तमिलनाडु में एक ऐसा मुख्यमंत्री बनाना चाहती है जिसे वह कंट्रोल में रख सके और ठीक वही करे, जो वे कहें।'

राहुल ने आरोप लगाया कि नीतीश कुमार के पिछले कार्यों ने भाजपा को उन पर पूरी तरह से कंट्रोल करने का मौका दिया और वे (भाजपा) तमिलनाडु में बिहार मॉडल को दोहराना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि INDIA अलायंस ऐसा कभी होने नहीं देगा। उन्होंने कहा कि भाजपा तमिलनाडु में भी वही हथकंडे अपना रही है ताकि अपने सहयोगी अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुन्नेत्र कषगम के जरिए दिल्ली से राज्य पर शासन कर सके। उन्होंने कहा कि अन्नाद्रमुक ने भी अपने भ्रष्टाचार की वजह से इस भगवा पार्टी के सामने घुटने टेक दिए हैं। उन्होंने कहा कि इसका फ़ायदा उठाकर आरएसएस परोक्ष रूप से राज्य पर शासन करने की कोशिश कर रही है। भारत को एकजुट करने के लिए इसी ज़िले से शुरू की गई अपनी 'भारत जोड़ो यात्रा' को याद करते हुए कांग्रेस नेता ने कहा कि देश के सभी राज्यों को समान महत्व मिलना चाहिए और हर भाषा के पीछे एक इतिहास होता है, ठीक वैसे ही जैसे तमिल भाषा का इतिहास हज़ारों साल पुराना है।

भाजपा पर संविधान को न मानने का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि यह भगवा पार्टी लोकतंत्र और संघीय सिद्धांतों को पूरी तरह से कमज़ोर करना चाहती है और दिल्ली से शासन करना चाहती है। संघर्ष-ग्रस्त मणिपुर में जारी अशांति का ज़िक्र करते हुए गांधी ने कहा कि कभी शांतिपूर्ण रहा यह राज्य अब गृहयुद्ध की चपेट में है और उन्होंने इस पूर्वोत्तर राज्य की मौजूदा स्थिति के लिए भाजपा को ज़िम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा, 'उन्होंने वहाँ आग लगा दी है, सैकड़ों लोग मारे जा चुके हैं और मणिपुर में गृहयुद्ध अभी भी जारी है... जहाँ भी उन्हें मौका मिलता है, वे सत्ता पर कब्ज़ा करने और दिल्ली से राज्य चलाने की कोशिश करते हैं।'

बिहार में पलटा सियासी गेम

बता दें कि हाल ही में JDU अध्यक्ष नीतीश कुमार ने बिहार के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था। उन्होंने पहली बार राज्यसभा में एंट्री ली है। उनके इस कदम को व्यापक रूप से बिहार की राजनीति में उनके लंबे कार्यकाल के विदाई चरण के रूप में देखा जा रहा है। नीतीश कुमार का बिहार से हटना राज्य के राजनीतिक इतिहास में एक महत्वपूर्ण मोड़ इसलिए भी है क्योंकि पहली बार राज्य में भाजपा का कोई मुख्यमंत्री बना है। यह घटनाक्रम इसलिए भी खास है क्योंकि नवंबर में हुए बिहार विधानसभा चुनाव में 25 से 30 तक फिर से नीतीश का नारा लगा था और इसी भावना के तहत जनता ने NDA को बहुमत दिया था लेकिन पांच महीने बाद ही सियासी गेम पलट गया। नीतीश आउट हो गए और उनके डिप्टी सम्राट चौधरी सीएम बन गए।

गया एयरपोर्ट परिसर में आग से मची अफरातफरी, 200 मीटर में फैली लपटें

पार्किंग में खड़ी थी फ्लाइट

बोधगया (संवाददाता)।

बिहार के गया अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट परिसर में सोमवार दोपहर को आग लगने से हड़कंप मच गया। एयरपोर्ट परिसर के अंदर सूखी झाड़ियों से अचानक आग की लपटें उठने लगीं। हवाई अड्डा पर लगभग 200 मीटर की परिधि में आग फैल गई। झाड़ियों से धुआं उठता देख अफरातफरी की स्थिति पैदा हो गई। दमकल की 7 गाड़ियों ने दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। इसके बाद सभी ने राहत की सांस ली। गनीमत रही कि इस घटना में जानमाल का कोई नुकसान नहीं हुआ। घटना के समय हवाई अड्डा के पार्किंग क्षेत्र में म्यांमार एयरलाइंस की फ्लाइट खड़ी थी, इससे सुरक्षा कर्मी ज्यादा सतर्क रहे।

बताया जा रहा है कि गया एयरपोर्ट परिसर के बाहर आसपास के क्षेत्र में रहने वाले ग्रामीणों ने आग लगाई थी। तेज हवा की वजह से बाहर लगी आग की लपटें और चिंगारियां एयरपोर्ट परिसर के अंदर तक पहुंच गईं। इससे हवाई अड्डा परिसर में स्थित झाड़ियों में भी आग भड़क गई। यह घटना वॉच टावर संख्या 2 और 3 के आसपास हुई।

एयरपोर्ट परिसर में वॉच टावर पर तैनात एक संतरी ने जैसे आग की लपटें देखीं, उसने तुरंत कंट्रोल रूम को सूचना दी। इसके बाद कंट्रोल रूम द्वारा तत्काल सीआईएसएफ की क्यूआरटी (क्विक रिस्पॉस टीम) को मौके पर भेजा गया। साथ ही, एयरपोर्ट फायर सर्विस को भी अलर्ट किया गया। गया एयरपोर्ट पर स्थित दो दमकल तुरंत वहां पहुंची और आग को बुझाने का प्रयास किया गया। हालांकि, हवा की वजह से आग बुझाने में दिक्कत आ रही थी। फिर बाहर से भी 5 फायर ब्रिगेड की गाड़ियां और बुलाई गईं। करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह काबू पाया गया। आग बुझने पर एयरपोर्ट प्रशासन और दमकल कर्मियों ने राहत की सांस ली।

जानमाल का नुकसान नहीं

गया एयरपोर्ट के निदेशक अवधेश कुमार और डिप्टी कमांडेंट नरेश जोशी समेत कई अधिकारी भी मौके पर मौजूद रहे और राहत कार्यों की निगरानी करते रहे। आग लगभग 200 मीटर क्षेत्र में फैल गई थी, लेकिन समय रहते आग को पूरी तरह नियंत्रित किया गया। घटना के समय एयरपोर्ट के पार्किंग एरिया में म्यांमार एयरलाइंस की एक फ्लाइट खड़ी थी। इस कारण सुरक्षा को लेकर अतिरिक्त सतर्कता बरती गई।

पूर्व डीजीपी केएस द्विवेदी पर सम्राट सरकार का भी भरोसा कायम, जानें अब कब तक रहेंगे बीपीएसएससी अध्यक्ष ?

पटना (संवाददाता)। बिहार सरकार ने प्रशासनिक स्तर पर एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए बिहार पुलिस अवर सेवा आयोग के अध्यक्ष केएस द्विवेदी के कार्यकाल को विस्तार दे दिया है। गृह विभाग (आरक्षी शाखा) द्वारा सोमवार को जारी आधिकारिक अधिसूचना के अनुसार, अब वह 68 वर्ष की आयु तक या अगले आदेश तक इस पद पर बने रहेंगे।

1984 बैच के आईपीएस अधिकारी रहे केएस द्विवेदी बिहार के डीजीपी जैसे महत्वपूर्ण पद की जिम्मेदारी संभाल चुके हैं।

उनके कार्यकाल के दौरान पुलिस बहाली और कानून-व्यवस्था को लेकर उनके अनुभव को देखते हुए सरकार ने उन्हें दोबारा यह जिम्मेदारी सौंपी है। उनका वर्तमान कार्यकाल समाप्त होने के बाद यह विस्तार दिया गया है।

भर्ती परीक्षाओं पर क्या होगा असर?

इस फैसले का सबसे बड़ा असर बिहार में होने वाली सब-इंस्पेक्टर और अन्य पुलिस अवर पदों की भर्तियों पर पड़ेगा। गृह विभाग की अधिसूचना में स्पष्ट है कि अब आगामी सभी चयन प्रक्रियाओं का नेतृत्व केएस द्विवेदी ही करेंगे। सरकार ने इसमें 'अगले आदेश तक' का विकल्प खुला रखकर यह संकेत भी दे दिया है कि जब तक कोई बड़ी प्रशासनिक जरूरत नहीं होगी, द्विवेदी ही आयोग के अध्यक्ष रहेंगे।

गृह विभाग की ओर से जारी अधिसूचना में स्पष्ट किया गया है कि केएस द्विवेदी के कार्यकाल का विस्तार 68 वर्ष की आयु तक के लिए प्रभावी होगा। हालांकि, सरकार ने इसमें 'अगले आदेश तक' का विकल्प भी खुला रखा है। इस फैसले के बाद अब आयोग के तहत होने वाली सब-इंस्पेक्टर और अन्य पदों की भर्तियों की जिम्मेदारी उन्हीं के नेतृत्व में आगे बढ़ेगी।

पटना में 5वीं तक के स्कूलों का समय बदला, डीएम का आदेश

पटना (संवाददाता)। बिहार में गर्मी बढ़ने के साथ ही इसका असर अब बच्चों की पढ़ाई पर दिखना शुरू हो गया है। पटना जिले में 5वीं तक के स्कूलों का समय बदल दिया गया है। पटना के जिलाधिकारी त्यागराजन एसएम ने सोमवार को इस संबंध में आदेश जारी कर दिया है। अब राज्य के अन्य जिलों में भी स्कूलों के समय में बदलाव की संभावना जताई जा रही है।

पटना डीएम द्वारा जारी आदेश के अनुसार जिले के सभी सरकारी एवं निजी स्कूलों में कक्षा 5 तक की कक्षाओं का समय परिवर्तन किया गया है। पहली से पांचवीं, प्री-प्राइमरी एवं आंगनबाड़ी केंद्रों में दोपहर 12.30 बजे के बाद शैक्षणिक गतिविधियों पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। यानी कि 5वीं तक के बच्चों की छुट्टी दोपहर 12.30 बजे तक करना अनिवार्य कर दिया गया है। हालांकि, इससे ऊपर की कक्षाओं के लिए कोई पाबंदी फिलहाल नहीं है। पटना जिले में यह आदेश मंगलवार 21 अप्रैल से शनिवार 25 अप्रैल तक लागू रहेगा। जिला प्रशासन का कहना है कि अधिक तापमान, विशेष रूप से दोपहर के समय पड़ रही भीषण गर्मी के कारण बच्चों के स्वास्थ्य और जीवन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना को देखते हुए यह फैसला लिया गया है। राजधानी पटना में दिन का तापमान 40 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार, आने वाले दिनों में गर्मी और बढ़ने के आसार हैं।

बिहार के हर जिले में बनेगा 'मॉडल सोलर विलेज'

बांका (संवाददाता)। बिहार के गांवों की सूरत अब सौर ऊर्जा से बदलने वाली है। राज्य सरकार ने एक शानदार फैसला लिया है जिसके तहत बिहार के हर जिले में एक गांव को 'मॉडल सोलर विलेज' (आदर्श सौर ग्राम) के रूप में विकसित किया जाएगा। बांका जिले में इसकी तैयारी शुरू हो गई है और शुरुआती तौर पर 11 गांवों को शॉर्टलिस्ट किया गया है। इन गांवों को पूरे जिले के लिए एक उदाहरण के तौर पर तैयार किया जाएगा। बिहार रिन्यूएबल एनर्जी डेवलपमेंट एजेंसी (ब्रेडा) ने इस योजना को अमलीजामा पहनाने के लिए सूबे के सभी जिलाधिकारियों से अपने-अपने जिलों के संभावित गांवों की सूची मांगी है। किसी भी गांव को 'मॉडल सोलर विलेज' का दर्जा हासिल करने के लिए कुछ कड़े मापदंडों को पूरा करना होगा।

दूसरी शादी कर लेना; दीदी, जीजाजी...

लोको पायलट की बीवी ने इमोशनल डायरी लिख फांसी लगाई, वीडियो भी बनाया

गया जी (संवाददाता)।

'मैं गलत थी। मायका, दीदी, जीजाजी और ससुराल को मिलाकर नहीं रख पायी। पति मेरी अंतिम इच्छा पूरी करेगें। मेरे मरने के बाद आप दूसरी शादी कर लेंगे।' ये चंद लब्ज़ या अल्फाज़ मात्र नहीं हैं बल्कि मौत को गले लगाने जा रही 20 साल की शिवानी के इमोशन हैं जिन्हें उसने अपनी डायरी के पन्नों में कलमबंद किया है। गया जी शहर के डेल्हा थाना क्षेत्र के खरखुरा भलुआही ब्रह्मस्थान के समीप एक विवाहिता ने फंदे से लटककर खुदकुशी कर ली। उसके मायके वालों ने पति पर दहेज के लिए हत्या का आरोप लगाया है। पुलिस छानबीन कर रही है। मृतका किराये के मकान में रहती थी। घटना के समय उसका पति ड्यूटी पर गया था।

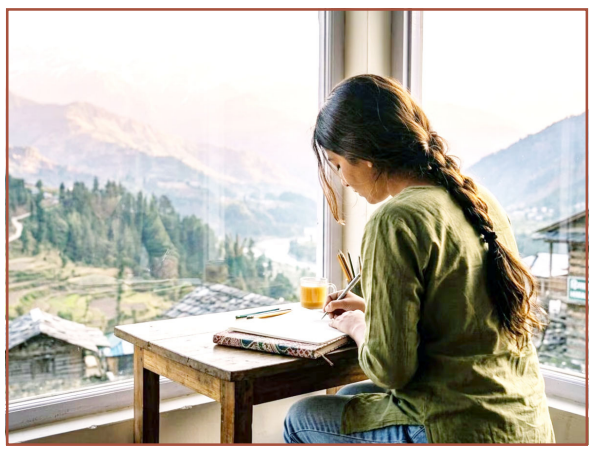

जानकारी के अनुसार, शिवानी कुमारी (20) ने शनिवार की देर रात किराये के मकान पंखे से लटकर फांसी लगा ली। घटना के समय उसका पति असिस्टेंट लोको पायलट मनीष कुमार ड्यूटी पर गया हुआ था। आधी रात को 12 बजे मनीष ड्यूटी से घर आया तो दरवाजा बंद था। फोन करने के बाद पत्नी ने रिसीव नहीं किया। उसके बाद दरबाजा खटखटाने लगा, फिर भी कोई जवाब नहीं मिला। मनीष ने आसपास के लोगों की मदद ली। दरबार को लोगों ने धक्का देकर खोला तो अंदर में शिवानी फंदे से लटकी थी। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। डेल्हा थाने की पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर जांच की और मृतका के परिजनों को इसकी सूचना दी। रविवार की सुबह करीब 11 बजे परिजनों के आने के बाद पुलिस ने शव को फंदे से उतारा और मगध मेडिकल में पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया।

घटनास्थल पर पहुंचकर एफएसएल की टीम ने भी जांच की। यह हत्या है या आत्महत्या, पुलिस की टीम हर बिंदुओं पर जांच कर रही है। टीम के साथ डेल्हा थानाध्यक्ष देवराज इंद्र, एसआई ललन कुमार और पुलिस बल भी मौजूद थे। जांच के दौरान एक डायरी मिली, जिसमें शिवानी ने मरने से पहले एक भावनात्मक नोट्स लिखा है। नोट में लिखा है कि इसमें किसी का कोई कसूर नहीं है। इसके अलावा उसके बिस्तर व एक मोबाइल मिला है। मोबाइल के कैमरे की लाइट जल रही थी। शायद उसने खुदकुशी करने का वीडियो भी बनाया है। यह मोबाइल के लॉक खुलने के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा।

क्या कहती है पुलिस?

शव का पोस्टमार्टम करा परिजनों को सौंप दिया गया है। एक डायरी मिली है जिसमें नौ पन्नों में मृतका ने कुछ लिखा है। यह सब जांच की जा रही है। मोबाइल भी बरामद किया गया है। परिजनों ने अब तक कुछ लिखकर नहीं दिया है। आवेदन देने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

-देवराज इंद,
थानाध्यक्ष, डेल्हा

भावनात्मक नोट लिखा

पुलिस जांच के दौरान एक डायरी मिली है, जिसमें नौ पन्ने में शिवानी कुमारी का भावनात्मक नोट्स लिखा है। इस घटना को लेकर वह किसी को जिम्मेबार नहीं ठहराते हुए लिखा है कि इसमें किसी का कोई कसूर नहीं है। मैं ही गलत थी जो मायका दीदी व जीजा व ससुराल को मिलाकर नहीं रख पायी। पति से कहा है कि मेरी अंतिम इच्छा पूरी करेगें। मेरे मरने के बाद आप दूसरी शादी कर लेंगे। मेरी विधवा मां, बड़ी दीदी, जीजा और दोनो भाई को हो सके तो थोड़ा देखते रहिएगा। मेरा मायका, ससुराल व दीदी-जीजा सभी हीरा हैं।

पति पर दहेज के लिए हत्या का आरोप

शिवानी की मां रीता देवी और उसकी बहन पुष्पा कुमारी ने मृतका के पति मनीष कुमार पर दहेज के लिए हत्या करने का आरोप लगाया। बहन ने कहा कि हत्या कर बहन को फंदा से लटका दिया। वह हमेशा दहेज की मांग करता था। पिता नहीं हैं। बात हुई थी कि जमीन रजिस्ट्री कर देंगे। फिर भी बहन को मार दिया। शिवानी का पति मनीष कुमार रेलवे में असिस्टेंट लोको पायलट है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

खबर-खास

देवघर के कथावाचक प्रदीप भैया का कथा ज्ञान यज्ञ 22 मई को

मुजफ्फरपुर (संवाददाता)। मुजफ्फरपुर में 22 मई को संत सुप्रसिद्ध कथावाचक प्रदीप भैया महाराज का आगमन होगा। इस मौके पर भजन संध्या का आयोजन होगा, जिसमें वृंदावन की संगीत मंडली भजनों की प्रस्तुति करेगी। आयोजन को सफल बनाने के लिए रविवार को आयोजन समिति की मंगलधाम के जिला अध्यक्ष रविनंदन सिंह की अध्यक्षता में बैठक हुई। इसमें आयोजन को सफल बनाने के उपायों पर विचार विमर्श किया गया।

आयोजन समिति के कार्यक्रम संयोजक मनोज वत्स ने बताया कि संत प्रदीप भैया महाराज ने देवघर में मंगलधाम की स्थापना की है। जहां 108 फीट ऊंची हनुमान जी की प्रतिमा स्थापित होगी। वहीं मंगलधाम में बच्चों के लिए स्कूल, छात्रावास, चिकित्सालय, अतिथि भवन आदि का निर्माण होगा। मंगलधाम से आये अमित कुमार व कृष्णकांत दुबे ने बताया कि मंगलधाम के प्रचार प्रसार के लिए प्रदीप भैया महाराज का यह कार्यक्रम बिहार में हो रहा है। श्रद्धालुओं के सहयोग से मंगलधाम को भव्य और दिव्य बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रदीप भैया महाराज वंचित और गरीब तबके के लोगों की सहायता करने के लिए हमेशा तत्पर रहते हैं। उनके आश्रम की ओर से चलने वाले स्कूल में आदिवासी समाज के बच्चों को बेहतर शिक्षा देने की व्यवस्था है। बच्चों को आधुनिक शिक्षा देकर समाज में योग्य नागरिक बनने के लिए प्रेरित किया जाता है। ताकि समाज में स्वास्थ्य वातावरण का निर्माण हो सके।

बिहार में हैवानियत

5 साल की बच्ची की गला रेतकर हत्या; शादी का भोज खाकर लौट रही थी लड़की

पूर्णिया (संवाददाता)। बिहार के पूर्णिया जिले से इंसानियत को शर्मसार करने वाली एक वारदात सामने आई है। अमौर थाना क्षेत्र के धुरपौली पंचायत में एक 5 साल की मासूम बच्ची की गला रेतकर निर्मम हत्या कर दी गई। बच्ची रविवार शाम एक शादी समारोह में भोज खाने गई थी, लेकिन वह वापस घर नहीं लौटी। सोमवार सुबह उसका शव गांव के ही एक मक्के के खेत से बरामद हुआ।

जानकारी के अनुसार, बच्ची रविवार की शाम अपने घर से करीब के ही एक शादी समारोह में भोज खाने के लिए निकली थी। जब काफी देर तक वह वापस नहीं आई, तो परिजनों ने उसकी खोजबीन शुरू की। रात भर गांव और आसपास के इलाकों में तलाश की गई, लेकिन बच्ची का कहीं पता नहीं चला। सोमवार की सुबह ग्रामीणों ने मक्के के खेत में बच्ची का लथपथ शव देखा, जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गई।

गला रेतकर की गई बेरहमी से हत्या

वारदात का मंजर इतना खौफनाक था कि देखने वालों की रूह कांप गई। तेज धारदार हथियार से बच्ची का गला रेता गया है। परिजनों का आरोप है कि बच्ची के साथ किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने के बाद उसकी हत्या की गई है। हालांकि, पुलिस अभी पोस्ट-मार्टम रिपोर्ट का इंतजार कर रही है ताकि मौत के सटीक कारणों और किसी अन्य तरह के शोषण की पुष्टि हो सके।

पुलिस जांच में जुटी, परिजनों में कोहराम

घटना की सूचना मिलते ही अमौर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्ट-मार्टम के लिए पूर्णिया मेडिकल कॉलेज भेज दिया है। पुलिस ने घटनास्थल से कुछ साक्ष्य जुटाए हैं और संदिग्धों की तलाश में छापेमारी शुरू कर दी है। इस घटना के बाद से परिजनों में कोहराम मचा हुआ है। गांव के लोगों में पुलिस प्रशासन के प्रति आक्रोश है और वे दोषियों को फांसी की सजा देने की मांग कर रहे हैं।

ज्वेलरी के विवाद में सनकी दूल्हे ने बुआ को उतारा मौत के घाट,

सीवान (संवाददाता)। बिहार के सीवान जिले से एक ऐसी खौफनाक वारदात सामने आई है, जिसने पूरे इलाके को दहला दिया है। जीबी नगर थाना क्षेत्र के ओलीपुर गांव में शादी की खुशियां उस वक्त मातम में बदल गईं, जब दूल्हा बनने जा रहे एक युवक ने अपनी ही बुआ की निर्मम हत्या कर दी। इतना ही नहीं, खून का प्यासा बना यह युवक यहीं नहीं रुका, उसने बीच-बचाव करने आए अपने छह अन्य रिश्तेदारों को भी चाकू मारकर घायल कर दिया। मिली जानकारी के अनुसार, घर में शादी की रस्में चल रही थीं और हर तरफ उल्लास का माहौल था। विवाद की शुरुआत तब हुई जब लड़की पक्ष को उपहार में दी जाने वाली 'ज्वेलरी' को लेकर घर के सदस्यों के बीच अनबन शुरू हो गई।

देखते ही देखते यह बहस इतनी बढ़ गई कि दूल्हा बनने वाले युवक ने आपा खो दिया। उसने घर में रखे धारदार चाकू से अपनी ही सगी बुआ पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया। हमले में बुआ की मौके पर ही मौत हो गई। जब घर में चीख-पुकार मची, तो अन्य रिश्तेदार बीच-बचाव करने के लिए दौड़े। लेकिन सिर पर खून सवार युवक ने उन पर भी हमला बोल दिया। इस हिंसक वारदात में छह लोग घायल हो गए हैं।

गंगा नदी में 4 डूबे, 2 के शव बरामद; पटना में मौत ने किया तांडव

पटना (संवाददाता)। पटना में दीघा थाना क्षेत्र स्थित तीन घाटों पर रविवार की शाम गंगा नदी में चार लोग डूब गए। इनमें एक युवक और तीन किशोर शामिल हैं। दो के शव बरामद कर लिए गए हैं। एसडीआरएफ की टीम दो की तलाश में जुटी है। राहत कार्य में देरी पर लोगों ने दीघा घाट पर हंगामा किया। उधर, मनेर के गौरैया स्थान के पास गंगा स्थान के दौरान तीन बालक डूबने लगे, जिसमें दो को बचा लिया गया। जबकि आकाश कुमार (12) लापता है। उसकी तलाश जारी है। पहली घटना दीघा में पाटीपुल घाट पर हुई। सुल्तानपुर, कुशवाहा पंचायत (दानापुर) निवासी राजू चौधरी का 18 वर्षीय पुत्र कृष्णा उर्फ किसू कुमार दोस्त को बचाने में डूब गया। किसू का शव बरामद कर लिया गया है। उसका किशोर दोस्त लापता है। दूसरी घटना जेपी सेतु घाट पर हुई। जक्कनपुर के पुरंदरपुर निवासी पंकज कुमार का 15 वर्षीय पुत्र आदित्य कुमार उर्फ प्रिंस कुमार नहाने के दौरान गंगा में डूब गया। शव बरामद कर लिया गया है। तीसरी घटना मीनार घाट (जनार्दन घाट) पर हुई। एसकेपुरी थाना क्षेत्र के न्यू पुनाईचक निवासी रंजीत गिरि का पुत्र करण कुमार (13) परिवार के साथ मीनार घाट पर डूब गया। उसका पता नहीं चल पाया है।

प्रदेश सरकार की सकारात्मक व विकासपरक सोच से जिले में हो रहे नवाचार : साव

उप मुख्यमंत्री ने जिला अस्पताल में ट्रामा सेंटर, वित्तीय साक्षरता लैब और कोया बाना आदिवासी संस्कृति संवर्धन संस्थान का किया लोकार्पण

रायपुर।

प्रदेश के उप मुख्यमंत्री तथा लोक निर्माण, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, नगरीय प्रशासन एवं विकास, खेल और युवा कल्याण तथा कांकेर जिले के प्रभारी मंत्री अरुण साव ने आज जिला मुख्यालय कांकेर में विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होकर निर्माण कार्यों का लोकार्पण किया। इस दौरान उन्होंने कोमलदेव शासकीय जिला चिकित्सालय परिसर में ट्रामा सेंटर तथा ओपीडी एवं अतिरिक्त भवन निर्माण कार्य का लोकार्पण किया। इसके अलावा पुत्री शाला परिसर का जीर्णोद्धार कर वित्तीय साक्षरता लैब और कचहरी परिसर स्थित मावा मोदोल कोचिंग संस्थान प्रांगण में कोया बाना आदिवासी संस्कृति संवर्धन संस्थान का भी लोकार्पण जिले के प्रभारी मंत्री श्री साव ने किया।

आज दोपहर कोया बाना आदिवासी संस्कृति संग्रहालय के लोकार्पण पश्चात नगरवासियों को संबोधित करते हुए उप मुख्यमंत्री श्री साव ने कहा कि कांकेर जिले के लिए आज का दिन ऐतिहासिक रहा क्योंकि यहां कुल 11 करोड़ 21 लाख रूपए के विभिन्न निर्माण कार्यों और नवाचारों का लोकार्पण हुआ है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार की सकारात्मक और विकासपरक सोच ही परिणाम है कि जिले में इतनी तादाद में विकास की झलकियां देखने को मिल रही हैं। वहीं आने वाली पीढ़ी को आदिवासी संस्कृति और विरासत को करीब से जानने के लिए कोया बाना जैसे बहुउद्देशीय संग्रहालय का आज लोकार्पण हुआ। श्री साव ने कहा कि कांकेर जिले को सहेजने और संवारने का काम शासन, प्रशासन और जिले के जनप्रतिनिधि के द्वारा परस्पर समन्वय के साथ किया जा रहा है। उन्होंने नगरवासियों को इन संस्थानों का लाभ उठाने की अपील की। विशिष्ट अतिथि की आसंदी से कांकेर विधायक श्री आशाराम नेताम ने अपने उद्बोधन में कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय तथा उप मुख्यमंत्री और जिले के प्रभारी मंत्री श्री साव के नेतृत्व में कांकेर जिले को लगातार सौगातें मिल रही हैं। उन्होंने कहा कि केन्द्र और राज्य सरकार की इच्छाशक्ति से बस्तर के नक्सलमुक्त होने के बाद अब यहां सतत् विकास देखने को मिल रहा है। इसके अलावा सरकारें विभिन्न योजनाओं के माध्यम से यहां की आदिवासी संस्कृति और पारंपरिक विरासतों को संजोने व संवर्धन करने हर संभव प्रयासरत है, जिसका उदाहरण कोया बाना संग्रहालय है जो युवाओं को उनकी प्राचीन परंपरा और सभ्यता से अवगत कराएगा। कार्यक्रम के अंत में उप मुख्यमंत्री एवं अन्य मंचस्थ अतिथियों ने मासिक पत्रिका नवांकुर और हल्बा जनजाति की लोक संस्कृति नामक पुस्तिका का विमोचन किया। विदित हो कि कोया बाना आदिवासी संस्कृति संवर्धन संस्थान में गोड़ी पाठशाला का संचालन और सांस्कृतिक लाइब्रेरी की स्थापना, आदिवासी पुरातत्व संग्रहालय एवं युवाओं के लिए रेडियो स्टूडियो की स्थापना की गई है। उक्त संस्थान की स्थापना जिला खनिज न्यास निधि मद से 30 लाख रूपए की लागत से की गई है।

इसके पहले उप मुख्यमंत्री श्री साव ने कोमलदेव शासकीय जिला चिकित्सालय में आधुनिक तकनीक से लैस ट्रामा सेंटर और ओपीडी एवं अतिरिक्त अस्पताल भवन का लोकार्पण किया। उक्त ट्रामा सेंटर की स्थापना 01 करोड़ 41 लाख 35 हजार रूपए की लागत से डीएचएस एवं डीएमएफ मद से की गई है, जहां गंभीर मरीजों का उपचार उन्नत चिकित्सा पद्धति से तात्कालिक रूप से हो सकेगा। इसी तरह डीएमएफ मद से 08 करोड़ 42 लाख रूपए की लागत से ओपीडी एवं अतिरिक्त अस्पताल भवन का भी लोकार्पण उप मुख्यमंत्री श्री साव के द्वारा किया गया। इन चिकित्सा अधोसंरचनाओं के निर्माण से मरीजों को विभिन्न सेवाओं का प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा। इस दौरान उन्होंने ट्रॉमा यूनिट में भर्ती मरीजों व उनके परिजनों से बातचीत कर हालचाल जाना। वित्तीय साक्षरता लैब में बच्चे खेल-खेल में बनेंगे जागरूक उप मुख्यमंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री श्री साव ने कांकेर प्रवास के दौरान आज पोस्ट ऑफिस के समीप पुराने पुत्रीशाला परिसर में वित्तीय साक्षरता लैब का लोकार्पण किया। उक्त लैब का निर्माण पुराने शाला भवन का जीर्णोद्धार कर किया गया है। डीएमएफ मद से कुल 65 लाख रूपए की लागत से उक्त लैब का निर्माण आधुनिकीकृत ढंग से किया गया है, जहां पर विद्यार्थियों एवं आम नागरिकों को वित्तीय सशक्तिकरण, सायबर फ्रॉड के प्रति जागरूकता तथा व्यावसायिक निवेश कंपनी अधिनियम की जानकारी, जीएसटी, टीडीएस एवं कर प्रणाली की समझ और शेयर मार्केट से परिचय व शासन की योजना एवं आर्थिक बजट की जानकारी सहित बैंकिंग प्रणाली और निवेश आदि की वित्तीय जानकारी मिलेगी। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ हस्तशिल्प बोर्ड की अध्यक्ष श्रीमती शालिनी राजपूत, नगर पालिका कांकेर के अध्यक्ष श्री अरूण कौशिक, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती किरण नरेटी, उपाध्यक्ष श्रीमती तारा ठाकुर, कलेक्टर श्री निलेश कुमार महादेव क्षीरसागर, पुलिस अधीक्षक श्री निखिल राखेचा, जिला पंचायत सीईओ श्री हरेश मण्डावी, पूर्व विधायक श्रीमती सुमित्रा मारकोले सहित नागरिक श्री महेश जैन, दिलीप जायसवाल एवं नगर के पार्षद, जनप्रतिनिधिगण एवं नागरिक उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री की पहल से प्रदेश में विद्युत व्यवस्था को मिलेगी मजबूती, जशपुर सहित कई क्षेत्रों को बड़ी सौगात

रायपुर।

प्रदेश में विद्युत व्यवस्था को सुदृढ़ और विश्वसनीय बनाने की दिशा में मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में लगातार ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। इसी कड़ी में जशपुर जिले सहित राज्य के विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों में लो वोल्टेज की समस्या के समाधान के लिए व्यापक योजना लागू की जा रही है।

मुख्यमंत्री के निर्देश पर जशपुर जिले के 133 गांवों, नगरों और टोला-मुहल्लों में अतिरिक्त ट्रांसफार्मर स्थापित किए जाएंगे। इस पहल से लंबे समय से चली आ रही लो वोल्टेज और बार-बार बिजली बाधित होने की समस्या का स्थायी समाधान सुनिश्चित होगा। इससे किसानों, छात्रों और लघु व्यवसायियों को सीधा लाभ मिलेगा और उनकी दैनिक गतिविधियां अधिक सुचारू रूप से संचालित हो सकेंगी। प्रदेश सरकार द्वारा विद्युत अधोसंरचना के विस्तार के तहत जशपुर जिले में उच्च स्तरीय परियोजनाओं पर भी तेजी से कार्य किया जा रहा है। कुनकुरी के हर्राडांड में 400/220 केवी का अत्याधुनिक उपकेंद्र स्थापित किया जा रहा है, जो राज्य के प्रमुख उच्च क्षमता उपकेंद्रों में शामिल होगा। इसके अतिरिक्त सलिहाटोली, विपतपुर, भगोरा, समडमा, मैनी, रेड़े, पालीडीह, खुटेरा एवं चेटवा सहित विभिन्न स्थानों पर नए 33/11 केवी सब-स्टेशन स्थापित किए जाएंगे। साथ ही फरसाबहार और झिक्की बगीचा में 132/33 केवी के उच्च क्षमता सब-स्टेशन भी स्वीकृत किए गए हैं, जिससे क्षेत्रीय विद्युत वितरण प्रणाली और अधिक सशक्त होगी। इन योजनाओं के क्रियान्वयन से प्रदेश में बिजली आपूर्ति की गुणवत्ता में व्यापक सुधार आएगा, लो वोल्टेज और ट्रिपिंग की समस्या में कमी आएगी तथा औद्योगिक और कृषि गतिविधियों को नई गति मिलेगी। राज्य सरकार की इस पहल से ग्रामीण क्षेत्रों के जीवन स्तर में सकारात्मक बदलाव आने की उम्मीद है। प्रदेशवासियों ने इस पहल के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए इसे राज्य के समग्र विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया है।

उपमुख्यमंत्री साव ने किया मावा मोदोल लाइब्रेरी चारामा का शुभारंभ

रायपुर।

प्रदेश के उप मुख्यमंत्री तथा लोक निर्माण, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, नगरीय प्रशासन एवं विकास, खेलकूल और युवा कल्याण एवं उत्तर बस्तर (कांकेर) जिले के प्रभारी मंत्री श्री अरुण साव ने आज रविवार को कांकेर जिले के चारामा में मावा मोदोल लाइब्रेरी का लोकार्पण किया।

लोकार्पण पश्चात उन्होंने लाईब्रेरी का अवलोकन कर वहां अध्ययनरत युवाओं से संवाद किया तथा उनसे अपने विद्यार्थी जीवन को साझा करते हुए कहा कि लगन से पढ़ाई करें, सरकार जो सुविधाएं उपलब्ध करा रहीं है, उसका लाभ उठाए और सफल होकर अपने देश-प्रदेश व क्षेत्र का नाम रौशन करें। देश के प्रति हमेशा निष्ठावान रहें। उन्होंने सभी विद्यार्थियों को उनके उज्जवल भविष्य के लिए अपनी शुभकामनाएं भी दी। कुल 43 लाख रूपए की लागत से निर्मित इस सर्वसुविधायुक्त लाईब्रेरी में एक साथ 75 विद्यार्थी विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर सकेंगे। इस मौके पर छत्तीसगढ़ हस्तशिल्प बोर्ड के अध्यक्ष श्रीमती शालिनी राजपूत तथा जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती किरण नरेटी विशेष रूप से उपस्थित थी।

लाईब्रेरी के शुभारंभ अवसर पर आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए उप मुख्यमंत्री श्री साव ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा लगातार बच्चों के भविष्य को गढ़ने का कार्य किया जा रहा है। चाहे दिल्ली मे प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए सुविधाएं उपलब्ध कराना हो, अथवा प्रदेश में लाईब्रेरी व नालंदा परिसरों की स्थापना, विधार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए समूचित सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही है। कांकेर जिले में भी जिला प्रशासन द्वारा लगातार बच्चों के लिए अच्छी सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही है, इसी कड़ी में आज मावा मोदोल लाईब्रेरी चारामा का शुभारंभ हो रहा है। पूरे क्षेत्र के बच्चे यहां अच्छे वातावरण में पढ़ाई कर अपना भविष्य गढ़ सकते हैं। उन्होंने क्षेत्रवासियों सहित प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे सभी युवाओं एवं उनके पालकों को अपनी शुभकामनाएं भी दी। समारोह को स्थानीय विधायक श्रीमती सावित्री मंडावी ने भी संबोधित किया। उन्होंने कहा कि मावा मोदोल लाइब्रेरी की स्थापना से इस क्षेत्र के बच्चों को लाइब्रेरी का लाभ मिलेगा। मावा मोदोल लाईब्रेरी में अच्छी तैयारी कर बच्चे अपना भविष्य संवार सकते हैं। कलेक्टर श्री निलेश कुमार महादेव क्षीरसार ने अपने उद्बोधन में बताया कि जिले के सभी 11 तहसील मुख्यालय में मावा मोदोल लाईब्रेरी की स्थापना की जाएगी, ताकि उस क्षेत्र के बच्चे लाईब्रेरी में पढ़ाई कर उच्च पदों पर आसीन हो सके। कांकेर जिले का यह छंटवा लाईब्रेरी है, इससे पूर्व कांकेर, भानुप्रतापपुर, कोरर, दुर्गूकोंदल और अंतागढ़ में मावा मोदोल निःशुल्क लाईब्रेरी संचालित की जा रही है। कार्यक्रम में नगर पालिका परिषद कांकेर के अध्यक्ष श्री अरुण कौशिक, नगर पंचायत चारामा के अक्ष्यक्ष भुनेश्वर नाग, पुलिस अधीक्षक श्री निखिल राखेचा, सीईओ जिला पंचायत श्री हरेश मंडावी, जिला शिक्षा अधिकारी श्री रमेश निषाद, महेश जैन, उमादेवी शर्मा सहित गणमान्य नागरिक और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर विद्यार्थी एवं शिक्षकगण उपस्थित थे ।

जब महिलाएं सशक्त होती हैं, तब राज्य होता है मजबूत : मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े

रायपुर।

महिला सशक्तिकरण को राज्य के समग्र विकास की आधारशिला बताते हुए महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि जब महिलाएं सशक्त होती हैं, तो परिवार, समाज और पूरा राज्य मजबूत होता है। उन्होंने अपने निवास, नया रायपुर में आयोजित राज्य स्तरीय 'लक्ष्मी सखी मिलेट्स कार्ट' वितरण कार्यक्रम में यह उद्बोधन देते हुए कहा कि राज्य सरकार महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाकर उन्हें विकास की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

कार्यक्रम के दौरान मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने विभिन्न स्व-सहायता समूहों की महिलाओं को 'लक्ष्मी सखी मिलेट्स कार्ट' वितरित किए। इस अवसर पर श्रीमती शैलेन्द्री कुर्रे, श्रीमती डिगेश्वरी निषाद, श्रीमती अनिता ताण्डी, श्रीमती सुमन वर्मा, श्रीमती दीपाली राजपूत, श्रीमती दीपा सोनी, श्रीमती कामिनी बोथरा, श्रीमती सुभद्रा निर्मलकर, श्रीमती गीता साहू एवं श्रीमती प्रीति साहू सहित कई हितग्राही उपस्थित रहीं। मंत्री ने बताया कि 'मिलेट्स कार्ट' अभियान महिलाओं के लिए स्वरोजगार का सशक्त माध्यम बनकर उभरा है। कांकेर जिला के नरहरपुर ग्राम की श्रीमती लोकेश्वरी रसिया और अन्य महिलाये प्रतिदिन 2 से 3 हजार रुपये तक तथा प्रतिमाह 25 से 30 हजार रुपये तक की आय अर्जित कर रही हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य अधिक से अधिक महिलाओं को 'लखपति दीदी' बनाना है, जिससे उनका आर्थिक सशक्तिकरण सुनिश्चित हो सके।

उन्होंने कहा कि महिला सशक्तिकरण केवल योजनाओं का क्रियान्वयन नहीं, बल्कि महिलाओं में आत्मविश्वास, क्षमता और समान अवसर विकसित करने की सतत प्रक्रिया है। जब महिलाएं शिक्षित, सक्षम और आत्मनिर्भर होती हैं, तो परिवार और समाज दोनों का समग्र विकास होता है तथा राज्य की अर्थव्यवस्था भी सुदृढ़ होती है। इस दिशा में छत्तीसगढ़ शासन द्वारा संचालित महिला कोष योजना और सक्षम योजना महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। महिला कोष योजना के तहत वर्ष 2003 से स्व-सहायता समूहों की महिलाओं को मात्र 3 प्रतिशत वार्षिक ब्याज दर पर ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है। पहली बार 2 लाख रुपये तक तथा समय पर पुनर्भुगतान करने पर दूसरी बार 6 लाख रुपये तक का ऋण दिया जाता है। वर्ष 2021 में राज्य सरकार द्वारा 12.77 करोड़ रुपये के पुराने ऋण माफ किए गए, जिससे लगभग 1 लाख महिलाएं पुनः ऋण लेने के लिए पात्र हुईं। आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2022-23 में 10,500 महिलाओं को 10.70 करोड़ रुपये का ऋण वितरित किया गया, वहीं 2023-24 में 2500 समूहों को 31 करोड़ रुपये ऋण वितरण का लक्ष्य रखा गया है। इसी प्रकार सक्षम योजना के अंतर्गत वर्ष 2022-23 में 2.63 करोड़ रुपये का ऋण स्वीकृत कर महिलाओं को व्यक्तिगत स्वरोजगार के लिए प्रोत्साहित किया गया।

इन योजनाओं के सकारात्मक प्रभाव से महिलाएं पापड़ निर्माण, श्रृंगार सामग्री, किराना व्यवसाय सहित विभिन्न आजीविका गतिविधियों से जुड़कर प्रतिमाह 1,000 से 5,000 रुपये तक की आय अर्जित कर रही हैं और आत्मनिर्भर बन रही हैं। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस (08 मार्च 2026) के अवसर पर बस्तर में मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय एवं मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े द्वारा 'लक्ष्मी मिलेट्स कार्ट' अभियान का शुभारंभ किया गया था। इस पहल के तहत राज्यभर में महिलाओं को स्वरोजगार के नए अवसर प्रदान किए जा रहे हैं। विशेष रूप से नरहरपुर और कांकेर क्षेत्र की महिलाएं इस योजना से उल्लेखनीय आय अर्जित कर रही हैं। मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए 'लखपति दीदी' जैसी अवधारणाओं को आगे बढ़ाया जा रहा है। राज्य सरकार की योजनाएं इस दिशा में ठोस परिणाम दे रही हैं। इस अवसर पर महिला एवं बाल विकास विभाग की संचालक डॉ. रेणुका श्रीवास्तव, इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ गिरीश चंदेल, जिला कार्यक्रम अधिकारी सुश्री शैल ठाकुर, साथी परियोजना के राष्ट्रीय समन्वयक श्री मनीष साहू, साथी परियोजना के नोडल अधिकारी प्रोफेसर गजेंद्र चंद्राकर सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं हितग्राही उपस्थित रहे।

करीब 150 मीटर लम्बे सुरंग में अवैध कोयला खनन पर सख्ती, सेंट्रल फ्लाइंग स्क्वाड की बड़ी कार्रवाई

रायपुर।

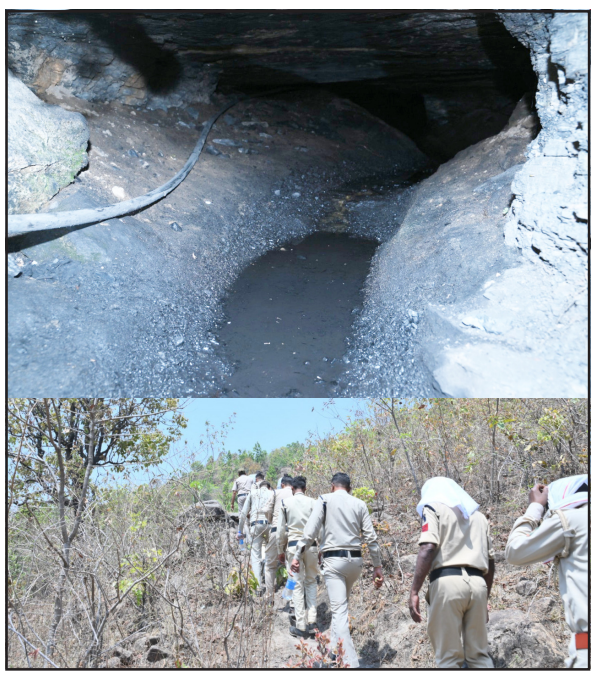

कोरिया जिला में अवैध कोयला खनन के खिलाफ प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए लगातार दूसरे दिन व्यापक कार्रवाई की। रायपुर से पहुंची सेंट्रल फ्लाइंग स्क्वॉड की टीम ने देवखोल और भालूमाड़ा क्षेत्रों का निरीक्षण कर अवैध खनन स्थलों का चिन्हांकन किया और उन्हें ब्लास्टिंग कर स्थायी रूप से बंद करने के निर्देश दिए।

इस दौरान जिला स्तर पर गठित टास्क फोर्स, जिसमें खनिज, वन, राजस्व और पुलिस विभाग के अधिकारी शामिल थे, ने संयुक्त रूप से पूरे क्षेत्र का जायजा लिया। टीम ने बताया कि निरीक्षण के समय मौके पर कोई कोयला या खनन सामग्री नहीं मिली, लेकिन पूर्व में यहां बड़े पैमाने पर अवैध गतिविधियां संचालित हो रही थीं। इस कार्रवाई से एक दिन पहले, शनिवार को संयुक्त टीम ने पटना तहसील अंतर्गत देवखोल जंगल में सघन अभियान चलाया था। इस दौरान अवैध खनन के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए करीब 6 टन से अधिक कोयला जब्त किया गया। साथ ही कई अवैध सुरंगों को ध्वस्त किया गया, जिनका उपयोग लंबे समय से कोयला निकालने के लिए किया जा रहा था। अभियान के दौरान टीम ने करीब 150 लंबी सुरंगों के भीतर प्रवेश कर न केवल कोयला बरामद किया था, बल्कि खनन में उपयोग होने वाले उपकरण जैसे फावड़ा, गेती, विद्युत पंप, फुटबॉल पाइप और बड़ी मात्रा में बिजली के तार भी जब्त किए थे। रविवार को की गई कार्रवाई में कोरिया के अलावा सूरजपुर, मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर और गौरेला-पेन्ड्रा-मरवाही जिलों के खनिज अधिकारी, स्थानीय पुलिस, वन एवं राजस्व विभाग के कर्मचारी भी मौजूद रहे।

अधिकारियों ने बताया कि वन एवं खनिज विभाग के साथ-साथ एसईसीएल के समन्वय से इन क्षेत्रों की निगरानी और सख्त की जाएगी। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि अवैध कोयला खनन पर पूरी तरह रोक लगाने के लिए चिन्हित स्थानों को ब्लास्टिंग कर बंद किया जाएगा, ताकि भविष्य में इस तरह की गतिविधियों की पुनरावृत्ति न हो सके। साथ ही क्षेत्र में लगातार निगरानी और संयुक्त अभियान जारी रखने की भी बात कही गई है।

इस सख्त कार्रवाई से अवैध खनन में लगे लोगों में हड़कंप मच गया है, वहीं प्रशासन ने संकेत दिए हैं कि आने वाले दिनों में इस तरह के अभियानों को और तेज किया जाएगा।

लोकसभा में संविधान (131वां संशोधन) विधेयक पारित न हो पाने के एक दिन बाद, भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) की महिला कार्यकर्ता लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के आवास की ओर निकाले गए विरोध मार्च के दौरान नारे लगाती हुई, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) की सांसद धर्मशीला गुप्ता और दिल्ली बीजेपी के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा, सांसद हेमा मालिनी पार्टी की महिला कार्यकर्ताओं के साथ लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के आवास की ओर विरोध मार्च के दौरान।

जाते-जाते 7 घरों का चिराग रोशन कर गया ये किसान, पत्नी ने लिया ऐसा फैसला; डॉक्टरों ने भी किया सलाम

अहमदाबाद (एजेंसी)। जिंदगी और मौत के बीच का फासला भले ही इंसान के हाथ में न हो, लेकिन अपने जाने के बाद भी दूसरों की रगों में सांसें बनकर धड़कना इंसानियत का सबसे बड़ा चमत्कार है। गुजरात के अहमदाबाद से एक ऐसा ही भावुक कर देने वाला और प्रेरणादायक मामला सामने आया है। यहां एक 39 साल के किसान की सड़क हादसे में जान चली गई, लेकिन मौत के आगोश में समाने से पहले वह 7 लोगों की जिंदगी को एक नई सुबह दे गया। किसान के ब्रेनडेड होने के बाद उसकी पत्नी और परिवार ने एक ऐसा साहसिक और मानवीय फैसला लिया, जिसने चिकित्सा जगत के साथ-साथ आम लोगों के सामने भी मानवता की एक नई मिसाल पेश कर दी है।

खेड़ा जिले के कपड़वंज इलाके में रहने वाले 39 वर्षीय किसान मनुभाई परमार बीते 12 अप्रैल को एक भयानक सड़क दुर्घटना का शिकार हो गए थे। इस हादसे में उनके सिर पर गहरी और गंभीर चोटें आई थीं। स्थानीय स्तर पर प्राथमिक उपचार देने के बाद उन्हें बेहतर इलाज के लिए तुरंत अहमदाबाद के सिविल अस्पताल रेफर किया गया था। डॉक्टरों ने अपनी तरफ से मनुभाई को बचाने के लिए पूरी ताकत झोंक दी, लेकिन समय बीतने के साथ उनकी हालत में कोई सुधार नहीं हुआ। अंततः, तमाम कोशिशों के विफल होने के बाद डॉक्टरों की टीम ने मनुभाई को ब्रेनडेड घोषित कर दिया।

अंगदान की यह जटिल प्रक्रिया पूरी होने के बाद इन अंगों को सुरक्षित और तुरंत जरूरतमंदों तक पहुंचाया गया। मनुभाई का लीवर और दोनों किडनी सिविल कैंपस में ही स्थित किडनी अस्पताल में ट्रांसप्लांट के लिए भेजी गईं, जहां मरीजों को इनका प्रत्यारोपण किया गया।

वहीं, उनके धड़कते हुए दिल को शहर के CIMS अस्पताल में भर्ती एक गंभीर मरीज के लिए भेजा गया। इसके अलावा, उनकी दोनों आंखें एम एंड जे आई अस्पताल को और त्वचा सिविल अस्पताल के स्किन बैंक को सुरक्षित दान कर दी गई। अहमदाबाद सिविल अस्पताल के सुपरिंटेंडेंट डॉ. राकेश जोशी ने मनुभाई के परिजनों के इस जज्बे की जमकर सराहना की है। उन्होंने कहा कि पेशे से किसान मनुभाई मौत के बाद भी अपने इस महादान से समाज के लिए एक बड़ा संदेश छोड़ गए हैं।

डॉ. जोशी ने बताया कि अंगदान को लेकर लोगों में अब काफी जागरूकता आ रही है। इसी का सुखद नतीजा है कि सिविल अस्पताल में अब तक 234 ब्रेनडेड मरीजों के परिजनों की सहमति से 774 अंगों का दान प्राप्त किया जा चुका है। इन दान किए गए अंगों में 431 किडनी, 208 लीवर, 74 हार्ट और 34 फेफड़े शामिल हैं, जिनकी बदौलत सैकड़ों परिवारों को उजड़ने से बचाया जा सका है।

दुख की घड़ी में पत्नी ने लिया महादान का फैसला

मनुभाई के ब्रेनडेड होने की खबर से पूरे परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। इसी मुश्किल और संवेदनशील घड़ी में अस्पताल प्रबंधन ने मनुभाई की पत्नी अरखाबेन और उनके अन्य परिजनों को अंगदान के महत्व के बारे में समझाया। एक तरफ पति को खोने का गम था और दूसरी तरफ किसी और की जिंदगी बचाने का मौका। भारी मन से सोच-विचार करने के बाद परिवार ने मनुभाई के हार्ट, लीवर, दोनों किडनी, आंखें और त्वचा समेत 7 अंगों का दान करने की सहमति दे दी। परिवार के इस निस्वार्थ फैसले ने मौत के मुंह में जा रहे 7 अलग-अलग जरूरतमंद मरीजों को नया जीवन दे दिया।

पाकिस्तान में जुटे 3 लाख हिंदू, 51 शक्तिपीठों में शामिल हिंगलाज मंदिर में मना उत्सव

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान में तीन दिवसीय हिंगलाज माता उत्सव संपन्न हो गया है। खबर है कि इस दौरान करीब 3 लाख हिंदू मंदिर पहुंचे थे। कहा जा रहा है कि यह आंकड़ा बीते साल हुए उत्सव से करीब तीन गुना ज्यादा था। इस दौरान आयोजन स्थल पर भंडारा, चिकित्सा सुविधा की भी व्यवस्था की गई थी। उत्सव के दौरान तीर्थयात्री सैकड़ों किमी की यात्रा कर मंदिर पहुंचते हैं।

पाकिस्तानी अखबार डॉन की रिपोर्ट के अनुसार, मंदिर में इस महीने करीब 3 लाख हिंदू श्रद्धालु पहुंचे थे। जबकि, पूरे साल में यह आंकड़ा करीब 10 लाख है। मंदिर पहुंचने के लिए श्रद्धालुओं ने थारपरकर, उमरकोट और संहार समेत सिंध के कई इलाकों से लंबी यात्रा की थी। कहा जाता है कि इस यात्रा को पूरी करने में 20 दिनों का समय लग जाता है। पाकिस्तान में इस तीर्थस्थल को नानी का मंदिर भी कहा जाता है। यह 51 शक्ति पीठों में से एक हैं। हिंदू मान्यताओं के अनुसार, यहां सती का सिर गिरा था। लयारी तहसील के पहाड़ी इलाके में स्थित यह मंदिर हिंगोल नदी के पास एक गुफा में बना हुआ है। कराची से इसकी दूरी लगभग 250 किलोमीटर उत्तर पश्चिम में है। यह इलाका हिंगोल नेशनल पार्क क्षेत्र में आता है।

इस तीर्थ यात्रा को हिंगलाज यात्रा कहा जाता है, जिसमें पाकिस्तान के कई हिस्सों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु कठिन यात्रा कर पहुंचते हैं। अप्रैल 2024 में एपी न्यूज से बातचीत में हिंगलाज माता मंदिर के पदाधिकारी वर्सीमल दीवानी ने बताया था कि इस त्योहार में सिर्फ पाकिस्तान में रहने वाले हिंदू ही शामिल हो सकते हैं। तब उन्होंने पाकिस्तानी सरकार से दुनिया के अन्य हिस्सों में हिंदुओं को वीजा देने की अपील भी की थी। हालांकि, कहा यह भी जा रहा है कि इस यात्रा में अन्य देशों से भी श्रद्धालु शामिल होते हैं।

महिलाओं के लिए मसीहा बनना आसान नहीं है, सरकार की साजिश नाकाम : प्रियंका गांधी

नई दिल्ली (एजेंसी)।

कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने लोकसभा में संविधान (131वां संशोधन) बिल पास न होने पर प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने कहा, कल जो हुआ वो लोकतंत्र के लिए एक बहुत बड़ी जीत थी। संघीय ढांचे को बदलने और लोकतंत्र को कमजोर करने की सरकार की जो साजिश थी, उसको रोका गया। यह संविधान की जीत थी, देश की जीत थी और विपक्ष की एकता की जीत थी और यह सत्ता पक्ष के नेताओं के चेहरों पर साफ दिख रहा था...मुझे लगता है कि यह एक साज़िश है कि किसी तरह उन्हें सत्ता में बने रहना है... इसलिए इसे हासिल करने के लिए, वे महिलाओं का इस्तेमाल करके हमेशा सत्ता में बने रहने की प्लानिंग कर रहे हैं... उन्होंने सोचा कि अगर यह पास हो गया, तो वे जीत जाएंगे। अगर यह पास नहीं हुआ, तो वे दूसरी पार्टियों को महिला विरोधी बताकर महिलाओं के मसीहा बन जाएंगे... हम जानते हैं कि महिलाओं के लिए मसीहा बनना आसान नहीं है। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा, हमारा स्टैंड बहुत साफ है। पूरे INDIA अलायंस ने अपना स्टैंड बहुत साफ़ कर दिया है, और इस वोट ने इसे और भी साफ़ कर दिया है कि, हमारी समझ से, यह बिल जो पेश किया गया था और तीन दिन की चर्चा महिला रिज़र्वेशन के बारे में नहीं थी; यह सिर्फ़ डिलिमिटेशन के बारे में थी, और हम सभी ने इस पर अपने विचार बहुत साफ़ तौर पर बताए हैं।

कांग्रेस MP प्रियंका गांधी वाड्रा कहती हैं, जिस तरह से वे यह बिल लाए हैं, जो चीज़ें उन्होंने इससे जोड़ी हैं, डिलिमिटेशन, 2011 की जनगणना, यह बहुत साफ़ है कि उन्हें पता था कि यह बिल पास नहीं हो पाएगा। उन्हें बस पॉलिटिकल क्रेडिट चाहिए था... कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा हम बहुत साफ कह रहे हैं, और हम यह हर प्लेटफॉर्म से कहेंगे, हम यह हर राज्य में कहेंगे, सिर्फ कांग्रेस पार्टी ही नहीं, बल्कि INDIA गठबंधन की हर पार्टी यह बहुत साफ कहेगी वह 2023 का कानून लाओ जो पास हुआ था, उसे 2029 तक पूरा करने के लिए जो भी बदलाव करना है, करो, हम उसका पूरा सपोर्ट करेंगे। इस सरकार के लिए चीजें बदल गई हैं। यह उनके कामों से साफ दिखता है। सबसे पहले, उन पर बहुत ज़्यादा इंटरनेशनल प्रेशर है। वे जो बहुत सारे काम कर रहे हैं, मुझे नहीं लगता, जैसा कि मेरे भाई ने कई बार कहा है, कोई भी भारतीय प्रधानमंत्री यूएस के साथ हुई डील की शर्तों को मानता, जब तक कि बहुत ज़्यादा प्रेशर न हो। जनता कई समस्याओं से जूझ रही है; गैस, फल, सब्जियों, हर चीज़ के दाम बढ़ गए हैं। इसका बोझ महिलाओं के कंधों पर है... वे अपना महिला मोर्चा जिसके भी घर के सामने ले जाना चाहें, ले जा सकती हैं। वे जितना चाहें उतना तमाशा कर सकती हैं। यह देश अब यह बात समझ में आ गई है कि वे अपनी बातों पर कायम नहीं रहते। उन पर भरोसा नहीं किया जा सकता। और निश्चित रूप से, महिलाएं उन पर भरोसा नहीं कर सकतीं।

श्रमिक आंदोलन

पाकिस्तानी कनेक्शन की जांच में जुटी एटीएस, भड़काऊ सोशल मीडिया अकाउंट्स रडार पर

नोएडा (एजेंसी)। नोएडा में हाल ही में हुए श्रमिकों के उग्र प्रदर्शन के दौरान हुई तोड़फोड़ और आगजनी के मामले में अब जांच ने नया मोड़ ले लिया है। प्रारंभिक जांच में इस पूरे घटनाक्रम के पीछे संदिग्ध विदेशी कनेक्शन, विशेष रूप से पाकिस्तानी लिंक सामने आने के बाद अब मामले की जांच एंटी टेररिस्ट स्क्वॉड (एटीएस) भी कर रही है। एटीएस ने इस संवेदनशील मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच का दायरा बढ़ा दिया है और हर पहलू को बारीकी से खंगाला जा रहा है। जानकारी के अनुसार, प्रदर्शन के दौरान बड़ी संख्या में श्रमिकों ने सड़कों पर उतरकर विरोध जताया था, जो देखते ही देखते हिंसक हो गया। इस दौरान कई स्थानों पर तोड़फोड़, वाहनों में आगजनी और सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने की घटनाएं सामने आई थीं। पुलिस और प्रशासन को हालात काबू में करने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ी थी। जांच एजेंसियों को शक है कि इस पूरे घटनाक्रम को सुनियोजित तरीके से भड़काया गया। खासतौर पर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के जरिए लोगों को उकसाने और माहौल बिगाड़ने की साजिश रची गई। एटीएस अब उन सभी सोशल मीडिया और ट्विटर अकाउंट्स की गहन जांच कर रही है, जिन्होंने प्रदर्शन के दौरान भड़काऊ पोस्ट, वीडियो या मैसेज शेयर किए थे। सूत्रों के मुताबिक, कुछ संदिग्ध अकाउंट्स की लोकेशन और गतिविधियां देश के बाहर से संचालित होने के संकेत दे रही हैं, जिनका संबंध पाकिस्तान से होने की आशंका जताई जा रही है।

बजट सत्र में 109.87 प्रतिशत कामकाज, 117 प्रश्न पूछे, पीएम व केंद्रीय मंत्रियों ने दिए वक्तव्य

नई दिल्ली (एजेंसी)। राज्यसभा के 270वें सत्र के समापन के साथ ही संसद के बजट सत्र का भी समापन हो गया। संसद के इस बजट सत्र में राज्यसभा का कामकाज सुचारू रूप से चला और सत्र की प्रोडक्टिविटी 100 फीसदी से भी अधिक रही। संपूर्ण सत्र के दौरान राज्यसभा ने कुल 157 घंटे 40 मिनट कार्य किया।

खास बात यह रही कि इस दौरान राज्यसभा की उत्पादकता 109.87 प्रतिशत रही। शनिवार को समाप्त हुए बजट में कुल 117 प्रश्न पूछे गए, वहीं सदन में 446 शून्यकाल उल्लेख किए गए। वहीं राज्यसभा सांसदों द्वारा 207 विशेष उल्लेख प्रस्तुत किए गए। बजट सत्र के समापन पर उपराष्ट्रपति व राज्यसभा के सभापति सीपी राधाकृष्णन ने सभी दलों के सांसदों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने सांसदों से कहा कि आपने अपने बहुमूल्य विचारों से सदन की कार्यवाही को समृद्ध किया।

गौरतलब है कि संसद के तीनों सत्रों में बजट सत्र का विशेष महत्व होता है। यह न केवल सबसे लंबा सत्र होता है, बल्कि देश की विकास दिशा तय करने में भी सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इस सत्र में पारित बजट, स्वीकृत नीतियां और निर्धारित प्राथमिकताएं देश के प्रत्येक नागरिक के जीवन को सीधे प्रभावित करती हैं। मौजूदा बजट सत्र वर्ष का सबसे लंबा सत्र है। बजट सत्र राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव से प्रारंभ हुआ था, जिस पर चार दिनों तक सदन में विस्तृत चर्चा हुई। इस विस्तृत चर्चा में राज्यसभा के 79 सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इसके बाद केंद्रीय बजट 2026-27 पर भी चार दिनों तक गंभीर और व्यापक चर्चा हुई, जिसमें 97 सदस्यों ने भाग लिया। साथ ही, सरकार के दो महत्वपूर्ण मंत्रालयों के कार्यकलापों पर भी सार्थक चर्चा की गई। सदन ने वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल द्वारा भारत-अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर तथा विदेश मंत्री द्वारा पश्चिम एशिया की स्थिति पर दिए गए वक्तव्यों पर भी ध्यान दिया।

सभापति ने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा पश्चिम एशिया की वर्तमान स्थिति और उससे उत्पन्न चुनौतियों, विशेषकर भारत की ऊर्जा आवश्यकताओं पर दिए गए वक्तव्य ने स्थिति को स्पष्ट किया और राष्ट्रीय एकजुटता की आवश्यकता को रेखांकित किया। सत्र समापन होने पर सभापति ने कहा, मुझे यह बताते हुए प्रसन्नता है कि इस सत्र के दौरान 50 निजी सदस्य विधेयक प्रस्तुत किए गए। 94 अवसरों पर माननीय सदस्यों ने संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल 12 क्षेत्रीय भाषाओं में अपने विचार रखे। इस सत्र में हरिवंश नारायण सिंह का राज्यसभा के उपसभापति के रूप में तीसरी बार निर्वाचन भी हुआ। प्रधानमंत्री सहित सभी दलों के नेताओं और सदस्यों ने उन्हें बधाई दी। सभापति ने कहा कि वह सदन के सुचारू संचालन में सहयोग देने के लिए उपसभापति, उपसभापति पैनल के सदस्यों, सदन के नेता, विपक्ष के नेता, संसदीय कार्य मंत्रालय, विभिन्न दलों के नेताओं तथा सभी सदस्यों का आभार व्यक्त करते हैं।

अब हवाला वाली मुश्किलों में घिरी आप, गुजरात में किसने दिल्ली से भेजा था कैश

सूरत (एजेंसी)। गुजरात के स्थानीय निकाय चुनाव में पूरा दमखम लगा रही आम आदमी पार्टी (आप) नई मुश्किलों में घिरती दिख रही है। गुजरात पुलिस ने हवाला रैकेट के जरिए पैसा दिल्ली से सूरत भेजने के आरोप में कुछ पदाधिकारियों को गिरफ्तार करते हुए चौंकाने वाला दावा किया है। पुलिस का दावा है कि 'आप' के वरिष्ठ नेताओं से जुड़े कुछ पदाधिकारियों ने 1.2 करोड़ की राशि दिल्ली से गुजरात भेजी थी। 'आप' की ओर से अभी तक पुलिस के आरोपों पर प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

क्राइम ब्रान्च और उमरा पुलिस के मुताबिक, कैश को दिल्ली के एक कारोबारी हिमांशु पाहूजा ने भेजा था और सूरत में इसे आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं आकाश मिश्रा और अजय तिवारी ने रिसीव किया। मीडिया से बातचीत में डीसीपी (क्राइम) भावेश रोजिया ने कहा कि पुलिस को इस लेनदेन के बारे में गोपनीय जानकारी मिली थी, जिसके आधार पर इसे पकड़ा गया। डीसीपी ने कहा, 'हमने मिश्रा से पूछताछ की है और प्रथम दृष्टया पाया गया कि पैसों का इस्तेमाल सूरत में स्थानीय चुनाव के लिए होना था। कुछ और अंगड़िया कारोबारी और करीब 10 लोग इस नेटवर्क से जुड़ाव की वजह से संदिग्ध हैं। इनकम टैक्स डिपार्टमेंट को भी सूचना दी गई है।' पुलिस ने कहा कि जनकपुरी दिल्ली का रहने वाला पाहूजा फंड भेजने वाले नेवटर्क का अहम सदस्य है, जबकि मिश्रा और तिवारी गुजरात में पैसा प्राप्त करने और वितरित करने का काम करते थे।

कांग्रेस ने अपना क्रूर चेहरा देश की महिलाओं के सामने उजागर किया : स्मृति ईरानी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी के नेता और पूर्व केंद्री मंत्री रवि शंकर प्रसाद और पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने भाजपा मुख्यालय में प्रेस कांफ्रेंस की। दोनों नेताओं ने सदन में महिला आरक्षण संशोधन विधेयक का समर्थन न करने पर कांग्रेस और विपक्ष पर जमकर हमला बोला। स्मृति ईरानी ने कहा, आज राष्ट्र की महिलाओं को कांग्रेस की एक प्रेस वार्ता में 98 साल का एक एहसान जताया गया। देश की महिलाओं को ये कहा गया कि कांग्रेस पार्टी ने एक ऐसा सपना सृजित किया, जो महिलाओं को राजनीतिक अधिकार दिलाने की मंशा रखता है। 98 साल उस मंशा का क्या हश्र हुआ है, वह कल देश की संसद में देशभर की महिलाओं ने देखा। कांग्रेस पार्टी इठलाई, मुस्कुराई और उन्होंने मेज थपथपाई और इस बात का राजनीतिक जश्न मनाया कि उन्होंने देश की आम महिलाओं की राजनीतिक आकांक्षाओं को कुचला। लेकिन भाजपा के लिए, यह केवल सत्ता के लिए संघर्ष नहीं है, बल्कि समानता के अधिकार की लड़ाई है। स्मृति ईरानी ने कहा, महिलाएं याद रखेंगी कि कांग्रेस के शासन के छह दशकों के दौरान देश की 11 करोड़ महिलाएं शौचालयों की सुविधा से वंचित थीं। महिलाएं याद रखेंगी कि 25 करोड़ महिलाओं को बैंक खाते खोलने के लिए आवश्यक सहयोग से वंचित रखा गया था। महिलाएं याद रखेंगी कि भाजपा-एनडीए के शासनकाल में ही पहली बार जेंडर बजट फ्रेमवर्क की शुरुआत की गई थी।

स्मृति ईरानी ने कहा, कांग्रेस और उसके समर्थक दलों ने इस बात का उत्सव मनाया कि इस देश की वर्षों से काम कर रही संघर्षशील राजनीतिक महिलाएं, जो मात्र 33 फीसदी अधिकार मांग रही थीं, उनको कैसे मर्यादाएं तोड़कर उनके अधिकार से वंचित रखा जाए, संसद का संघर्ष कैसे जीता जाए, उस जश्न में कांग्रेस और उसके समर्थक दल डूबे हुए थे। भाजपा के लिए ये सत्ता का संघर्ष नहीं, समानता का अधिकार देने का प्रश्न था।

पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा, आज कांग्रेस की प्रेसवार्ता में कटाक्ष किया गया कि भाजपा में कुछ लोगों ने मसीहा बनने का प्रयास किया। मैं स्तब्ध हूं कि कांग्रेस की प्रेसवार्ता में ये कहा गया कि वे 2023 में पारित बिल का समर्थन करते हैं, जिसमें परिसीमन का उल्लेख है। लेकिन, कांग्रेस का दोगलापन देखिए कि वे साथ में ये भी कहते हैं कि उन्हें परिसीमन और व्यवस्था में विश्वास नहीं। कांग्रेस को देश की संवैधानिक व्यवस्था, संसद में और देश की महिलाओं पर भी विश्वास नहीं। ये कांग्रेस ने अपना क्रूर चेहरा देश की महिलाओं के सामने उजागर किया है। रविशंकर प्रसाद ने प्रियंका गांधी पर तंज कसा और उनकी बातों की निंदा की। उन्होंने कहा, मैं आमतौर पर प्रियंका गांधी वाड्रा के खिलाफ कुछ नहीं कहता, लेकिन यह पहली बार है जब मैं ऐसा कर रहा हूं। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने महिलाओं को इस्तेमाल करने की बात कही। क्या भारत की महिलाएं कोई ऐसी वस्तु हैं, जिसका इस्तेमाल किया जाए? यह भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की एक महिला सांसद की भाषा है। हम इस भाषा की निंदा करते हैं। रविशंकर प्रसाद ने संविधान के बारे में बताते हुए कहा, परिसीमन के बिना लोकसभा या विधानसभा में सीटों में कोई बदलाव संभव नहीं है। भारत के संविधान के अनुच्छेद 81, खंड (2) के अनुसार, लोकसभा की सीटें प्रत्येक राज्य को आवंटित की जानी चाहिए, और प्रत्येक राज्य को क्षेत्रीय निर्वाचन क्षेत्रों में इस तरह विभाजित किया जाना चाहिए कि पूरे देश में जनसंख्या और सीटों का अनुपात एक समान रहे।

रबाडा-सिराज से आगे नहीं रख सकता खुद को', बेंच पर बैठे गुजरात टाइटंस के गेंदबाज का बड़ा बयान

नई दिल्ली (एजेंसी)। गुजरात टाइटंस के तेज गेंदबाज अर्शद खान इस सीजन अब तक एक भी मैच नहीं खेल पाए हैं, लेकिन उनका फोकस पूरी तरह तैयारी पर है। पिछले सीजन में 9 मैच खेलने वाले अर्शद इस बार बेंच पर हैं, फिर भी वह खुद को हर मैच के लिए तैयार रखते हैं। अर्शद ने कहा, 'भले ही मैं खेल नहीं रहा हूं, लेकिन मेरी तैयारी हमेशा मैच के लिए रहती है। मैं अपनी गेंदबाजी योजनाओं और पिच को पढ़ने पर लगातार काम करता हूं।'

अर्शद खान ने साफ तौर पर माना कि टीम में जगह बनाना आसान नहीं है, खासकर जब आपके आगे कगिसो रबाडा, मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा जैसे बड़े नाम हों। उन्होंने कहा, 'आप खुद को रबाडा, सिराज या प्रसिद्ध जैसे इंटरनेशनल खिलाड़ियों से आगे नहीं रख सकते। अशोक शर्मा भी शानदार फॉर्म में हैं, ऐसे में फोकस सिर्फ अपनी तैयारी पर रखना पड़ता है।' आईपीएल 2025 में अर्शद खान को 9 मैच खेलने का मौका मिला था, जहां उन्होंने 6 विकेट लिए थे। उस दौरान कगिसो रबाडा की अनुपस्थिति ने उन्हें टीम में जगह दिलाई थी। हालांकि, इस सीजन में मजबूत बॉलिंग लाइनअप के कारण उन्हें अब तक मौका नहीं मिल सका है।

अर्शद इस समय टीम के अनुभवी गेंदबाजों से सीखने पर ध्यान दे रहे हैं। उन्होंने कहा, 'आप बहुत कुछ सीखते हैं—कैसे वे मैच की तैयारी करते हैं, ट्रेनिंग करते हैं और रिकवरी करते हैं। यह अनुभव आगे बहुत काम आता है।' अर्शद खान का मानना है कि टी20 में भले ही बड़े स्कोर आम हो गए हों, लेकिन मैच जीताने में गेंदबाजों की भूमिका आज भी अहम है। उन्होंने कहा, 'हर मैच 230-240 का नहीं होता। अगर पिच से थोड़ी मदद मिले और शुरुआती विकेट मिल जाएं, तो टीम को 150-160 पर रोका जा सकता है। आज भी वही टीम जीतती है जिसकी गेंदबाजी मजबूत होती है।' गुजरात टाइटंस में सिर्फ अर्शद ही नहीं, बल्कि जेसन होल्डर, ल्यूक वुड, ईशांत शर्मा और गुरनूर ब्रार जैसे खिलाड़ी भी मौके का इंतजार कर रहे हैं, जो टीम की गहराई को दर्शाता है।

आईपीएल में नहीं मिला खरीदार, केशव महाराज ने महिला टीम को दिया जीत का मंत्र

नई दिल्ली (एजेंसी)। IPL और PSL नीलामी में अनसोल्ड रहने वाले केशव महाराज ने मैदान के बाहर रहकर भी बड़ा प्रभाव डाला है। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका महिला क्रिकेट टीम को ICC Womens T20 World Cup 2026 से पहले भारत के खिलाफ सीरीज में अहम रणनीतिक मदद दी। उनकी सलाह ने टीम के स्पिन अटैक को नई धार दी, जिससे भारत की बल्लेबाजी पर दबाव बना।

डरबन में खेले गए दूसरे टी20 मुकाबले में क्लो ट्रायन ने शानदार गेंदबाजी करते हुए भारत के बल्लेबाजों को जकड़ लिया। उन्होंने 4 ओवर में सिर्फ 22 रन देकर 2 विकेट लिए और 'प्लेयर ऑफ द मैच' बनीं। मैच के बाद ट्रायन ने कहा, 'केशव महाराज हमारे साथ थे और उन्होंने पहले ही कहा था कि इस मैच में कोई स्पिनर प्लेयर ऑफ द मैच बनेगा। मैं खुश हूं कि मैं उनके लिए ऐसा कर पाई।'

महाराज की रणनीति के तहत ट्रायन ने भारतीय बल्लेबाजों को चकमा दिया। स्मृति मंधाना और जेमिमा रोड्रिग्स जैसी बल्लेबाजों को स्पिन जाल में फंसाया गया। सही लेंथ और प्लानिंग के चलते भारतीय बल्लेबाज बड़े शॉट खेलने के चक्कर में विकेट गंवाते नजर आए। सुने लूस ने भी महाराज के योगदान को सराहा और कहा, 'उनके साथ काम करना शानदार अनुभव रहा। एक वर्ल्ड-क्लास गेंदबाज से सीखना हमारे लिए बहुत बड़ा फायदा है। उन्होंने अपने अनुभव से हमें नई चीजें सिखाईं।' उन्होंने आगे कहा, 'वह डरबन के हालात को अच्छे से जानते हैं और उनकी जानकारी ने हमें मैच में बढ़त दिलाई।' दक्षिण अफ्रीका महिला क्रिकेट टीम ने इस जीत के साथ सीरीज में 2-0 की बढ़त बना ली है। टीम का आत्मविश्वास बढ़ा है और अब अगला मुकाबला जोहान्सबर्ग में खेला जाएगा, जहां वे अपनी लय बरकरार रखना चाहेंगे।

भले ही IPL और PSL में उन्हें कोई खरीदार नहीं मिला, लेकिन केशव महाराज जल्द ही अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी करेंगे। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आगामी सीरीज में वह दक्षिण अफ्रीका के लिए अहम भूमिका निभाते नजर आएंगे।

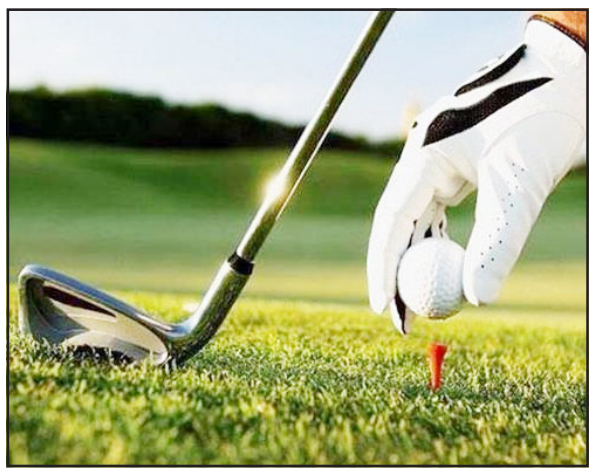

'डीपी वर्ल्ड प्लेयर्स चैंपियनशिप' का नूंह में शीर्ष खिलाड़ियों के साथ होगा आगाज

नूंह (एजेंसी)। वीर अहलावत, ओम प्रकाश चौहान और मनु गंडास जैसे शीर्ष घरेलू गोल्फरों सहित लगभग 130 पेशेवर खिलाड़ी सोमवार को यहां 'क्लासिक गोल्फ एंड कंट्री क्लब' में शुरू होने वाली एक करोड़ रुपये पुरस्कार राशि वाले 'डीपी वर्ल्ड प्लेयर्स चैंपियनशिप' में खिताब के लिए चुनौती पेश करेंगे।

मौजूदा सत्र (2026) में 'डीपी वर्ल्ड पीजीटीआई ऑर्डर ऑफ मेरिट' में शीर्ष पर चल रहे सप्तक तलवार, खालिन जोशी, हनी बैसोया और अंगद चीमा भी खिताब के दावेदारों में शामिल हैं। श्रीलंका के एन थंगाराजा टूर्नामेंट में भाग लेने वाले प्रमुख विदेशी खिलाड़ी होंगे। मेजबान क्षेत्र गुरुग्राम और नूंह का प्रतिनिधित्व ध्रुव श्योराण और तपेंद्र घई जैसे खिलाड़ी करेंगे।

अब मेरा लक्ष्य भारत के लिए सभी फॉर्मेट में खेलना है, आरसीबी के तेज गेंदबाज रासिख ने बताया आगे का प्लान

नई दिल्ली (एजेंसी)।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के तेज गेंदबाज रासिख सलाम डार ने कहा कि उनका सबसे बड़ा सपना भारत के लिए सभी फॉर्मेट में खेलना है और वह देश का प्रतिनिधित्व किसी भी फॉर्मेट में करने के लिए तैयार हैं। IPL 2026 में रासिख ने तीन मैचों में 5 विकेट लिए हैं, जिसमें 4/24 का मैच जिताने वाला प्रदर्शन भी शामिल है। रासिख ने फ्रैंचाइजी द्वारा जारी एक बयान में कहा, 'मैंने क्रिकेट खेलना IPL या भारत के बारे में सोचकर शुरू नहीं किया था। मुझे कोई अंदाजा नहीं था कि यह सफर मुझे कहां ले जाएगा। लेकिन अब मेरा लक्ष्य भारत के लिए सभी फॉर्मेट में किसी भी फॉर्मेट में खेलना है।'

उनकी लगन तब साफ दिखी जब उन्होंने इस सीजन में पहली बार वानखेड़े स्टेडियम में मैच खेला; ऐंठन से जूझने के बावजूद उन्होंने मुंबई इंडियंस के खिलाफ 1-23 का शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा, 'जब मैं गेंदबाजी करने आया, तो मुझे ऐंठन होने लगी, ऐसा कुछ मैंने पहले कभी महसूस नहीं किया था। लगभग हर गेंद के बाद मुझे ऐंठन हो रही थी। गेंद डालते समय मैं गिर रहा था और ठीक से झुक भी नहीं पा रहा था। मेरे मन में बस एक ही बात थी कि मुझे यह ओवर पूरा करना है। अगर मैं ऐसा कर पाता, तो टीम बेहतर स्थिति में होती।'

उनके इन प्रयासों की RCB के सहायक कोच ओंकार साल्वी ने भी तारीफ की। उन्होंने कहा, 'उसमें एक अलग ही जज्बा है। जम्मू-कश्मीर की पहाड़ियों में रहना, वह मुश्किल जिंदगी, क्रिकेट खेलने के लिए घंटों का सफर तय करना, आप देख सकते हैं कि एक खिलाड़ी के तौर पर उसने कितनी तरक्की की है। सबसे पहली चीज जो मैंने उसमें देखी, वह थी उसकी प्रतिस्पर्धी

भावना। साथ ही, उसका नजरिया भी काफी रचनात्मक था। गेंद को दोनों तरफ स्विंग कराने के अलावा, उसके पास एक धीमी गेंद भी थी, और टी20 क्रिकेट खेलने का उसका नजरिया भी दूसरों से अलग था।'

रासिख ने अपने करियर की शुरुआत में मन में उठने वाले उन शुरुआती सवालों को याद किया, जब तक कि उन्हें अपनी मां से हौसला नहीं मिला। रासिख ने कहा, 'जब मैंने पेशेवर तौर पर क्रिकेट खेलना शुरू किया, तो मेरे परिवार और रिश्तेदारों का कहना था कि कोई भी क्रिकेट को अपना पेशा नहीं बना सकता, क्योंकि हमारे इलाके से बहुत कम लोग ही क्रिकेट खेलते थे। लेकिन मेरी मां को हमेशा मुझ पर भरोसा था। बचपन से ही वह कहती थीं कि मेरा बेटा एक दिन क्रिकेटर जरूर बनेगा।'

उनकी इस यात्रा में ट्रायल में शामिल होने के लिए लंबी यात्राएं, इरफान पठान से मार्गदर्शन और बाद में कोलकाता नाइट राइडर्स द्वारा चुने जाने के बाद चोटों के कारण मिली रुकावटें शामिल थीं; इस दौरान उन्हें खेल से दो साल का ब्रेक भी लेना पड़ा। उन्होंने कहा, 'जब मैं पहली बार अंडर-19 ट्रायल के लिए गया, तो मुझे इसकी प्रक्रिया भी ठीक से पता नहीं थी। उस साल मेरा चयन नहीं हुआ। अगले साल, जब मैं दोबारा गया, तो वहां इरफान पठान मौजूद थे। मुझे कुछ गेंदें फेंकते देखने के बाद उन्होंने मुझे रोका और मेरा मार्गदर्शन करना शुरू कर दिया। तभी मुझे लगा कि शायद उन्हें मुझमें कुछ खास नजर आया है। दो मैच खेलने के बाद मुझे पीठ में चोट लग गई। फिर ठीक होने की प्रक्रिया के दौरान मुझे दोबारा चोट लग गई। उस समय मुझे एहसास हुआ कि मुझे जल्दबाजी नहीं करनी चाहिए। मुझे पूरी प्रक्रिया का पालन करना था, चाहे इसमें कितना भी समय क्यों न लगे।'

RCB ने मेगा ऑक्शन में उन पर भरोसा दिखाया और उन्हें 6 करोड़ रुपए में अपनी टीम में शामिल कर लिया। हालांकि 2025 के खिताब जीतने वाले सीजन में उन्हें ज्यादा मैच खेलने का मौका नहीं मिला, फिर भी रासिख RCB के सीनियर गेंदबाजों से सीखने के इस मौके का पूरा आनंद ले रहे हैं। उन्होंने कहा, 'भुवनेश्वर कुमार जैसे खिलाड़ियों के साथ काम करते हुए, मैं उनसे बहुत सारे सवाल पूछता था कि उन्होंने किसी खास समय पर कोई खास गेंद क्यों फेंकी। मैं बस सीखना चाहता था।' पर्दे के पीछे की उनकी मेहनत साल्वी को साफ नजर आती थी। उन्होंने कहा, 'वह हमेशा अपने लिए कड़ी मेहनत करते रहते थे। वह हमेशा हर उस मैच से कुछ न कुछ सीखने की कोशिश करते थे जिसे वह बाहर बैठकर देख रहे होते थे। और फिर उनकी अपनी राय भी होती थी, जिस पर हम मैच के बाद अभ्यास के दौरान चर्चा करते थे। रासिख में गेंद को दोनों तरफ घुमाने की काबिलियत है।'

स्मृति मंधाना ने रोहित शर्मा को छोड़ा पीछे, टी20 इंटरनेशनल में हासिल की ये बड़ी उपलब्धि

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारतीय महिला बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने टी20 इंटरनेशनल में भारत के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाली खिलाड़ी बन गईं हैं. उनके नाम अब 161 टी20 इंटरनेशनल मैचों में 30.53 की औसत और 124.45 के स्ट्राइक रेट से कुल 4,244 रन हो गए हैं. जिसमें एक शतक और 33 अर्धशतक शामिल हैं.

मंधाना ने ये बड़ी उपलब्धि डरबन में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टी20 इंटरनेशनल मैच में हासिल की. उन्होंने मैच में 13 रन ही बना सकीं, लेकिन वो रोहित शर्मा को पीछे छोड़ने में सफल रहीं. रोहित शर्मा के नाम 159 टी20 इंटरनेशनल मैचों में 4,231 रन हैं, जिसमें पांच शतक और 32 अर्धशतक शामिल हैं.

हालांकि, अब उनके पास मंधाना के रिकॉर्ड को तोड़ने का कोई मौका नहीं है, क्योंकि टी20 विश्व कप 2024 के खत्म होने के बाद भारत के इस पूर्व कप्तान ने इस फॉर्मेट से संन्यास ले लिया है.स्मृति मंधाना को इस मैच में उतरने से पहले अपने पुरुष समकक्ष रोहित को पीछे छोड़ने के लिए सिर्फ एक रन की जरूरत थी, क्योंकि वह 4,231 रनों के साथ उनके बराबर थीं. सुने लुस की गेंद पर एक रन लेकर उन्होंने रिकॉर्ड बुक में अपना नाम दर्ज करा लिया.भारतीय महिला टीम दक्षिण अफ्रीका से छह विकेट से हार गई. पहले बल्लेबाज़ी करते हुए, हरमनप्रीत कौर भारत के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाली खिलाड़ी रहीं. उन्होंने 33 गेंदों में 47 रनों की पारी खेली. इसके अलावा शैफाली वर्मा (34) और जेमिमा रोड्रिग्स (36) ने अच्छी शुरुआत की, लेकिन वे इसे बड़ी पारी में बदलने में नाकाम रहीं. भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 157/7 का स्कोर बनाया. गेंदबाजों में अयाबोंगा खाका सबसे सफल रहीं, जिन्होंने तीन विकेट लिए, जबकि टुमी सेखुखुने ने दो विकेट चटकाए.जवाब में दक्षिण अफ्रीका ने पांच गेंदें शेष रहते लक्ष्य का पीछा कर लिया, जिसमें लॉरा वोल्वार्ड्ट (51) और एनेरी डर्कसेन (44 नाबाद) ने अहम पारियां खेलीं. श्रेयंका पाटिल ने दो विकेट लिए, जबकि अरुंधति रेड्डी और श्री चरानी ने एक-एक विकेट हासिल किया. इस जीत के साथ साउथ अफ्रीका ने 5 मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है.

निर्यातकों के लिए व्यापार सुगम बनाने के लिए सरकार ने सुधारों की शुरुआत की

नई दिल्ली (एजेंसी)। व्यापार सुगमता और निर्यातकों के लिए व्यापार सुविधा प्रदान करने की सरकार ने एक बार फिर प्रतिबद्धता दिखाई है। इस क्रम में वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) के अंतर्गत आने वाली मानक समितियों के कामकाज को सुदृढ़ करने हेतु लक्षित सुधारों की एक श्रृंखला शुरू की है। इसका उद्देश्य अग्रिम प्राधिकरण योजना के तहत प्रक्रिया में लगने वाले समय को कम करना, शीघ्र अनुमोदन सुनिश्चित करना और पारदर्शिता एवं पूर्वानुमानशीलता को बढ़ाना है। यह जानकारी जारी एक आधिकारिक बयान में दी गई है।

लागू किए गए सुधारों की श्रृंखला में मानदंड समितियों (एनसी) के कामकाज में एकरूपता और निरंतरता सुनिश्चित करने के लिए विस्तृत दिशानिर्देश जारी करना शामिल है। इनमें निश्चित पाक्षिक चक्र पर बैठकों का संस्थागत निर्धारण, लंबे समय से लंबित मामलों को प्राथमिकता देना, समयबद्ध तरीके से बैठक के कार्यवृत्त को अंतिम रूप देना और लंबित मामलों और उनकी अवधि की व्यवस्थित निगरानी करना शामिल है। बयान में कहा गया है कि बार-बार होने वाली स्वीकृतियों को कम करने के लिए, बार-बार आने वाले मामलों की पहचान करके उन्हें मानक इनपुट-आउटपुट मानदंडों (एसआईओएन) में परिवर्तित करने के प्रयास भी किए गए हैं। संबंधित मंत्रालयों से समितियों में अतिरिक्त तकनीकी अधिकारियों को मनोनीत करने का अनुरोध किया गया है ताकि क्षेत्रीय विशेषज्ञता को बढ़ाया जा सके और सदस्यों के सीमित समूह पर निर्भरता कम की जा सके। इसके अलावा, लंबित आवेदनों के शीघ्र निपटान के लिए एक विशेष अभियान शुरू किया गया है, जिसके तहत बैठकें नियमित समय पर आयोजित की जा रही हैं और पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए मामलों को कालानुक्रमिक क्रम में निपटाया जा रहा है। क्षमता बढ़ाने के उद्देश्य से, विभिन्न मंत्रालयों से दस अतिरिक्त तकनीकी सदस्यों को मनोनीत किया गया है, जिससे तकनीकी प्राधिकारियों की कुल संख्या 12 से बढ़कर 22 हो गई है। इससे समितियों की अधिक संख्या में मामलों को बेहतर दक्षता के साथ संभालने की क्षमता मजबूत हुई है।

वित्त वर्ष 2027 में भारत की विकास दर 6.8-7.2 प्रतिशत के बीच रहने का अनुमान

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की अर्थव्यवस्था वैश्विक तनाव और तेल की कीमतों के झटके के बावजूद मजबूत स्थिति में बनी हुई है। एसबीआई रिसर्च की रिपोर्ट के अनुसार, देश इस चुनौतीपूर्ण दौर में भी स्थिर बना हुआ है। रिपोर्ट में वित्त वर्ष 27 के लिए जीडीपी ग्रोथ 6.8 से 7.1 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया गया है। इससे साफ है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अनिश्चितता के बावजूद भारत की आर्थिक स्थिति संतुलित बनी हुई है और इसका असर सीमित रहने की उम्मीद है।रिपोर्ट में बताया गया है कि भारत की अर्थव्यवस्था मजबूत मैक्रोइकोनॉमिक आधार पर खड़ी है। वित्त वर्ष 26 में देश की ग्रोथ करीब 7.6 प्रतिशत रहने का अनुमान है, जो इसकी मजबूती को दर्शाता है।

महंगाई दर लगभग 4.5 प्रतिशत रहने की उम्मीद है, जबकि फिस्कल डेफिसिट 4.5 से 4.6 प्रतिशत के बीच रह सकता है। इसके अलावा, बैंकिंग सेक्टर भी स्थिर बना हुआ है, जिससे अर्थव्यवस्था को और मजबूती मिल रही है।रिपोर्ट के मुताबिक, मिडिल ईस्ट में जारी संघर्ष के कारण खेती, छोटे उद्योग, खपत और सप्लाई चेन जैसे सेक्टर पर असर पड़ सकता है।

पीएफ कटने की सैलरी लिमिट बढ़कर होगी 30 हजार रुपये, सरकार करने जा रही है बड़ा बदलाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्राइवेट नौकरी करने वाले लाखों कर्मचारियों के लिए एक बड़ी और राहत भरी खबर सामने आ रही है। केंद्र सरकार जल्द ही प्रोविडेंट फंड कवरेज के लिए तय की गई बेसिक सैलरी लिमिट को भारी मार्जिन से बढ़ाने पर विचार कर रही है। मौजूदा समय में कर्मचारी भविष्य निधि संगठन के तहत अनिवार्य पीएफ कटौती के लिए वेतन सीमा 15,000 रुपये प्रति माह तय है, जिसे अब बढ़ाकर 25,000 से 30,000 रुपये तक किया जा सकता है। श्रम और रोजगार मंत्रालय में इस लंबे समय से लटके प्रस्ताव पर अब तेजी से काम शुरू हो गया है, जिससे आने वाले समय में देश के एक बड़े वर्कफोर्स को रिटायरमेंट फंड और सामाजिक सुरक्षा का सीधा लाभ मिल सकेगा।क्यों पड़ी इस बड़े बदलाव की जरूरतपीएफ लिमिट बढ़ाने के इस बड़े फैसले पर पुनर्विचार की जरूरत इसलिए पड़ी क्योंकि हाल के दिनों में, खासकर राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में, औद्योगिक और प्राइवेट कर्मचारियों के वेतन में अच्छी खासी बढ़ोतरी देखी गई है। इस सैलरी हाइक के कारण कई कुशल कर्मचारी 15,000 रुपये की सीमा को पार कर गए हैं और

तकनीकी रूप से अनिवार्य ईपीएफओ कवरेज के दायरे से बाहर होने के खतरे का सामना कर रहे हैं। सरकार का मानना है कि अगर समय रहते यह लिमिट नहीं बढ़ाई गई, तो 'यूनिवर्सल सोशल सिक्योरिटी' यानी सभी को सामाजिक सुरक्षा के दायरे में लाने का लक्ष्य अधूरा रह जाएगा।

ईएसआईसी की लिमिट भी बढ़ाने की है तैयारी ईपीएफओ के साथ-साथ सरकार कर्मचारी राज्य बीमा निगम के तहत भी वेतन सीमा को बढ़ाने पर गंभीरता से विचार कर रही है। फिलहाल ईएसआईसी के तहत वेतन सीमा 21,000 रुपये प्रति माह है। वरिष्ठ अधिकारियों का कहना है कि व्यापार करने में आसानी को बढ़ावा देने और नियमों के बेहतर पालन के लिए ईपीएफओ और ईएसआईसी, दोनों योजनाओं की वेतन सीमा को एक समान स्तर पर लाने की योजना है। श्रम मंत्रालय इसके लिए जल्द ही कंपनियों और अन्य संबंधित पक्षों के साथ विस्तृत चर्चा शुरू करने जा रहा है। सुप्रीम कोर्टकी सख्त चेतावनी का दिखा असरआपको बता दें कि ईपीएफओ की सैलरी लिमिट में आखिरी बार बदलाव एक दशक पहले साल 2014 में किया गया था, तब इसे 6,500 रुपये से बढ़ाकर 15,000 रुपये प्रति माह किया गया था। इस बार लिमिट बढ़ाने की प्रक्रिया में तेजी आने का एक बड़ा कारण सुप्रीम कोर्ट की वह हालिया चेतावनी भी है, जिसमें कोर्ट ने महंगाई और बढ़ती वेतन दरों के हिसाब से इस सीमा को अपडेट करने पर जोर दिया था। कोर्ट ने साफ कहा था कि मौजूदा सीमा के कारण वर्कफोर्स का एक बड़ा हिस्सा सामाजिक सुरक्षा से वंचित हो रहा है। हालांकि, लिमिट बढ़ने से नियोक्ताओं (कंपनियों) पर पीएफ योगदान का वित्तीय दबाव काफी बढ़ेगा, इसीलिए सरकार कोई भी औपचारिक प्रस्ताव पेश करने से पहले हर पहलू पर सावधानी से विचार कर रही है।

संपादकीय

अर्थव्यवस्था का संकट

अर्थव्यवस्था का संकट बढ़ रहा है। दरअसल, जड़ कमजोर हो, तो आंधी अधिक भयानक मालूम पड़ने लगती है। यही भारत की मौजूदा हकीकत है। लेकिन ऐसा नहीं है कि अर्थव्यवस्था की मूलभूत समस्याएं भारत सरकार को मालूम ना रही हों। चिंता की कोई बात ना होने जैसे प्रधानमंत्री और अन्य मंत्रियों के आश्वासनों के बावजूद हकीकत यही है कि खुद केंद्र गहरी चिंता में है। इसका प्रमाण वित्त मंत्रालय की ताज़ा मासिक समीक्षा रिपोर्ट है। इसमें अर्थव्यवस्था के सामने मौजूद जोखिमों का साफ-साफ जिक्र किया गया है। स्वीकार किया गया है कि इस महीने आर्थिक गतिविधियां धीमी हुईं। हालांकि इसके केवल घरेलू कारण भी हैं, मगर खासकर पश्चिम एशिया में युद्ध और ऊर्जा आपूर्ति की अनिश्चितताओं से समस्या बेहद गहरी हो गई है। इस कारण सबसे बड़ी चिंता खाद्य पदार्थों की महंगाई को लेकर खड़ी हुई है। बढ़ती कीमतें ग्रामीण और शहरी गरीब वर्ग पर असमान असर डाल रही हैं। ऊर्जा लागत में वृद्धि से महंगाई का दबाव और बढ़ सकता है। इसके अलावा व्यापार घाटा और चालू खाते का घाटा बढ़ रहा है। विदेशी निवेश में सुस्ती से रुपये पर दबाव है, जिससे वित्तीय बाज़ारों में अस्थिरता का खतरा बढ़ा है। यानी समस्या चौतरफा है। जब जड़ कमजोर हो, तो आंधी अधिक भयानक मालूम पड़ने लगती है। यही भारत की मौजूदा हकीकत है। ऐसा नहीं है कि अर्थव्यवस्था की मूलभूत समस्याएं सरकार को मालूम ना रही हों। खुद मुख्य आर्थिक सलाहकार वी. अनंत नागेश्वरन इनको लेकर आगाह करते रहे हैं, जिन्होंने ताजा समीक्षा रिपोर्ट तैयार की है। मसलन 2025 में पेश आर्थिक सर्वेक्षण में कहा गया था कि वित्तीय क्षेत्र का अनियंत्रित विकास वास्तविक अर्थव्यवस्था पर भारी पड़ रहा है। पिछले वर्ष उन्होंने कहा कि भारत में आईपीओ प्रवर्तक निवेशकों के लिए निकास का साधन बन गए हैं। यानी ये पूंनिवेश का साधन नहीं रहे। इस वर्ष जनवरी में पेश आर्थिक सर्वे में कहा गया कि भारतीय निक्षेत्र जोखिम उठाने को तैयार नहीं है और वह अनुसंधान एवं विकास के इंजन को आगे बढ़ाने में विफल रहा है। इसके बावजूद निक्षेत्र एवं वित्तीय आर्थिकी को केंद्र में रखते हुए ऊंची जीडीपी वृद्धि दर को भारतीय अर्थव्यवस्था की खास पहचान बनाया गया। मगर ये खंभे रेत पर खड़े हैं। अब चूंकि परिस्थितियां प्रतिकूल हो गई हैं, तो ये डोलते नजर आ रहे हैं। मासिक समीक्षा रिपोर्ट का सार-संक्षेप यही है।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम—प्रतिनिधित्व से राष्ट्र निर्माण तक

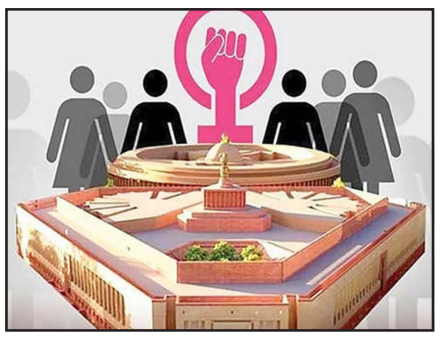

यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवता: - यह केवल एक श्लोक नहीं, बल्कि भारत की शाश्वत संस्कृति का उद्घोष रहा है। लेकिन पूजा और सम्मान से आगे बढ़कर, आज का भारत अधिकार, अस्तित्व और नेतृत्व की बात कर रहा है। नारी शक्ति वंदन अधिनियम केवल एक वैधानिक प्रलेख नहीं है, बल्कि सदियों से बंद उन द्वारों की कुंहै जिसके पीछे भारत की आधी आबादी का सामर्थ्य अवरुद्ध था। यह अधिनियम किसी पर किया गया उपकार नहीं, बल्कि उस ऐतिहासिक अन्याय का परिमार्जन है जो कालचक्र ने महिलाओं के साथ किया। आज महिलाएं आरक्षण इसलिए नहीं मांग रही हैं कि वे निर्बल हैं; वे इसलिए मांग रही हैं क्योंकि राष्ट्र की नीति-निर्धारण की सर्वोच्च आसंदी पर उनका स्थान रिक्त है। भारत का लोकतंत्र केवल निर्वाचन की व्यवस्था मात्र नहीं, बल्कि एक जीवंत सामाजिक अनुबंध है, जिसकी पूर्णता महिलाओं की निर्णायक भागीदारी के बिना असंभव है।

आज जब हम इस ऐतिहासिक उपलब्धि का उत्सव मनाने तत्पर हो रहे हैं, तो हमें यह स्वीकार करना होगा कि यह अधिनियम दशकों से अधर में लटका हुआ था। पूर्व की सरकारों में इच्छाशक्ति का अभाव था, जिसके कारण नारी शक्ति का यह अधिकार फाइलों में दबा रहा। यह अधिनियम केवल और केवल देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की अदम्य इच्छाशक्ति और दूरदर्शी सोच का परिणाम है। प्रधानमंत्री ने अमृत काल के इस दौर में यह सिद्ध कर दिया है कि उनके लिए नारी शक्ति केवल एक मतदाता समूह नहीं, बल्कि राष्ट्रनिर्माण की सबसे बड़ी शक्ति है। मोदी ने अपनी माता और बहनों के प्रति जो संवेदनशीलता दिखाई है, वह अद्वितीय है। चाहे वह रसोई के धुएँ से मुक्ति दिलाने वाली उज्ज्वला योजना हो, घर-घर शौचालय बनवाकर महिलाओं को सम्मान देने वाला स्वच्छ भारत मिशन हो, या फिर हर घर जल पहुँचाकर माताओं के जीवन को सुगम बनाने का संकल्प—प्रधानमंत्री ने सदैव एक हितेभाई और पुत्र की भांति देश की महिलाओं की मूलभूत समस्याओं को समझा और उन्हें हल किया। नारी शक्ति वंदन अधिनियम उनके इसी अटूट समर्पण की अगली कड़ी है, जो महिलाओं को लाभार्थी से उठाकर नेतृत्वकर्ता की श्रेणी में खड़ा करती है।

जब हम सामर्थ्य की बात करते हैं, तो अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में भारत की बेटियों ने वह कर दिखाया है जिसकी कल्पना भी कठिन थी। रितु करिधाल जी, जिन्हें भारत की रॉकेट वुमन कहा जाता है, उनकी कहानी लखनऊ की तंग गलियों से शुरू होकर मंगल ग्रह की कक्षाओं तक पहुँचती है। मंगलयान मिशन में डिप्टी ऑपरेशन्स डायरेक्टर के रूप में उन्होंने वह जटिल गणित और गणनाएँ कीं, जिन्होंने भारत को पहले ही प्रयास में मंगल पर पहुँचने वाला विश्व का पहला देश बना दिया। एक माँ और एक वैज्ञानिक के दायित्वों के बीच संतुलन बिठाते हुए रितु ने सिद्ध किया कि महिला का प्रबंधन कौशल ब्रह्माण्ड की जटिलताओं को भी सुलझा सकता है।

वहीं, मुथैया वनिता जी का नाम भारत के चंद्रयान-2 मिशन के साथ स्वर्ण अक्षरों में अंकित है। वे इसरो के इतिहास में किसी अंतरग्रहीय मिशन का नेतृत्व करने वाली पहली महिला प्रोजेक्ट डायरेक्टर बनीं। एक इलेक्ट्रॉनिक्स सिस्टम इंजीनियर के रूप में उनका अनुभव और डेटा को समझने की उनकी अद्भुत क्षमता ने भारत के चंद्र अभियान को एक नई ऊँचाई दी। वनिता की सफलता यह संदेश देती है कि जब जटिल इंजीनियरिंग और तकनीक की बात आती है, तो भारत की बेटियाँ केवल सहभागी नहीं, बल्कि सर्वोपरि मार्गदर्शक हैं। इन दोनों वैज्ञानिकों ने यह सिद्ध कर दिया कि अब आसमान भी भारत की बेटियों की सीमा नहीं है। परंतु मातृशक्ति की यह उड़ान केवल भारत की सीमाओं तक सीमित नहीं रही। जब हम वैश्विक क्षितिज पर देखते हैं, तो कल्पना चावला का नाम हमारे सामने आता है, जिन्होंने करनाल की मिट्टी से उठकर अंतरिक्ष के तारों तक पहुँचने का साहस दिखाया। वे आज भी हर उस बेटी के लिए प्रेरणा हैं जो अभावों के बीच बड़े सपने देखती हैं।

महिला नेतृत्व की प्रभावशीलता का एक और प्रकाश स्तंभ सुषमा स्वराज जी का कार्यकाल रहा। उन्होंने विदेश मंत्रालय को रायसीना हिल्स की फाइलों से निकालकर आम नागरिक के द्वार तक पहुँचा दिया। उन्होंने सिद्ध किया कि कूटनीति केवल मेज पर होने वाले समझौतों का नाम नहीं, बल्कि अपने नागरिकों के प्रति संवेदनशीलता का नाम है। उनका वह आश्वासन आज भी गूँजता है— यदि आप मंगल ग्रह पर भी फँसे हैं, तो भारतीय दूतावास वहाँ आपकी मदद करेगा। ऑपरेशन राहत के माध्यम से हजारों भारतीयों को सुरक्षित बचाना और वैश्विक मंचों पर हिंदी की गर्जना करना, उनके सशक्त नेतृत्व का प्रमाण था। शिक्षा और सेवा के क्षेत्र में भी बदलाव की लहर स्पष्ट है। अखिल भारतीय उच्च शिक्षा सर्वेक्षण के अनुसार, उच्च शिक्षा में महिलाओं के नामांकन में 32 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। स्वास्थ्य क्षेत्र में सत्तर प्रतिशत कार्यबल महिलाएं हैं। प्रशासनिक जगत में किरण बेदी जैसी अधिकारियों ने प्रधानमंत्री के काफिले का चालान काटकर यह संदेश दिया कि विधान की दृष्टि में सत्ता का कोई विशेष मोल नहीं है। यही वह निष्पक्षता और साहस है जिसकी आज हमारी राजनीति को आवश्यकता है। प्रधानमंत्री मोदी का मानना है कि विकसित भारत का लक्ष्य तभी प्राप्त हो सकता है जब विकास का नेतृत्व महिलाएँ करें। मुद्रा योजना के माध्यम से आज करोड़ों महिलाएँ लखपति दीदी बन रही हैं। बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ से लेकर सेनाओं में महिलाओं के स्थायी कमीशन तक, मोदी ने हर बाधा को दूर किया है। यह अधिनियम उसी श्रृंखला का महा-अनुष्ठान है, जो राजनीति की सर्वोच्च संस्थाओं में महिलाओं की गर्जना सुनिश्चित करेगा। यह प्रधानमंत्री का अपनी देश की करोड़ों माताओं-बहनों को दिया गया एक ऐतिहासिक उपहार है।

विश्व भर की संसदों में महिलाओं का औसत प्रतिनिधित्व आज भी मात्र छब्बीस प्रतिशत है, जबकि भारत तैंतीस प्रतिशत के साथ दुनिया को राह दिखाएगा। यह अधिनियम उस मानसिकता पर प्रहार है जो महिलाओं को केवल लाभार्थी मानती थी; अब वे भाग्यविधाता की भूमिका में होंगी। संसद और विधानसभाओं में यह आरक्षण केवल सीटों का बँटवारा नहीं, बल्कि हमारी राजनीति के चरित्र को बदलने का संकल्प है।

14 लाख महिला जन-प्रतिनिधियों ने पंचायतों में पहले ही अपनी कार्यक्षमता सिद्ध कर दी है। अब समय है कि वे राष्ट्र की नीतियों का निर्माण करें। यह अधिनियम उन करोड़ों लड़कियों के आत्मविश्वास का विस्तार है, जो अब संसद की दीर्घा को देखकर यह कह सकेंगी- हाँ, मैं भी यहाँ पहुँच सकती हूँ। जब नारी सशक्त होगी, तभी राष्ट्र वास्तव में समर्थ होगा। प्रधानमंत्री के इस महान संकल्प के साथ, आइए हम सब मिलकर एक ऐसे भारत का निर्माण करें जहाँ शक्ति, सुरक्षा और समृद्धि की पहचान हमारी मातृशक्ति हो।

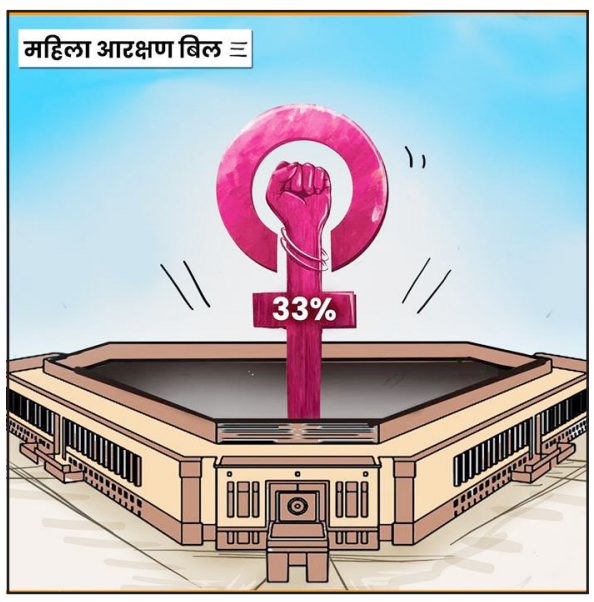

पैसे निवेश करते समय न करें ये 5 सामान्य गलतियां, होगा फायदा

पैसे निवेश करने का मतलब है कि आप अपने पैसे को ऐसे तरीकों से लगाएं, जिससे वह बढ़ सकें। सही निवेश से आप अपने वित्तीय लक्ष्यों को हासिल कर सकते हैं। हालांकि, कई लोग बिना योजना के पैसे निवेश करते हैं और इससे उन्हें नुकसान होता है। इस लेख में हम आपको कुछ सामान्य गलतियों के बारे में बताएंगे, जिनसे आपको बचना चाहिए। इनका ध्यान रखने पर आपका निवेश सुरक्षित और लाभकारी हो सकेगा।

कई लोग ज्यादा लाभ की चाह में जरूरत से ज्यादा जोखिम ले लेते हैं। हालांकि, इसका मतलब यह नहीं कि आपको कोई जोखिम नहीं लेना चाहिए। आपको अपने वित्तीय लक्ष्यों और जोखिम सहनशीलता के अनुसार निवेश करना चाहिए। अधिक जोखिम लेने से आपकी पूंजी खोने का खतरा बढ़ जाता है। इसलिए, हमेशा संतुलित दृष्टिकोण अपनाएं और अपने निवेश को अलग-अलग जगह लगाएं, ताकि जोखिम कम हो और लाभ की संभावना बनी रहे।

बिना योजना के निवेश करने का मतलब है कि आप बिना सोचे-समझे पैसे लगाते हैं। ऐसा करने से हो सकता है कि आपका पैसा गलत जगह पर चला जाए या फिर आपको कम लाभ मिले। इसलिए, हमेशा एक स्पष्ट योजना बनाएं और अपने वित्तीय लक्ष्यों को ध्यान में रखते हुए निवेश करें। योजना बनाने से न केवल आपका पैसा सुरक्षित रहता है, बल्कि आपको बेहतर लाभ भी मिलते हैं। इसके अलावा आप जोखिमों को भी अच्छी तरह समझ पाते हैं।

सभी पैसे एक ही जगह लगाने से आपका पूरा निवेश खतरे में पड़ सकता है, खासकर अगर वह जगह अस्थिर हो या नुकसान में हो। इसलिए, हमेशा अपने निवेश को विभिन्न क्षेत्रों में फैलाएं, ताकि किसी एक क्षेत्र में होने वाले नुकसान से आपका पूरा निवेश प्रभावित न हो। उदाहरण के लिए आप शेयर बाजार, जमीन-जायदाद और सोने आदि में निवेश कर सकते हैं। इससे आपके जोखिम कम होंगे और आपको बेहतर लाभ मिलेगा।

जल्दी मुनाफा निकालना

जल्दी मुनाफा निकालने की चाहत में लोग अक्सर अपने निवेश को जल्द बेच देते हैं। इससे उन्हें उतना लाभ नहीं मिल पाता जितना कि उन्हें लंबे समय तक रखने पर मिलता। इसलिए, अपने निवेश को समय दें और धैर्य रखें। लंबी अवधि के लिए निवेश करने पर आपको बेहतर लाभ मिलता है। इसके साथ ही बाजार के उतार-चढ़ाव से प्रभावित होने की संभावना भी कम होती है। इसलिए, हमेशा सोच-समझकर और धैर्यपूर्वक निवेश करें।

जानकारी के बिना निवेश करना

कई लोग किसी की सलाह पर या सुनी-सुनाई बातें सुनकर बिना पूरी जानकारी लिए ही निवेश कर देते हैं, जिससे उन्हें बाद में नुकसान उठाना पड़ता है। इसीलिए, किसी भी तरह के निवेश से पहले उसकी पूरी जानकारी जरूर लें। इसके अलावा संबंधित क्षेत्र के बारे में गहन शोध करें और विशेषज्ञों की सलाह लें, ताकि आपका निवेश सुरक्षित और लाभकारी हो सके। सही जानकारी और शोध के साथ किया गया निवेश हमेशा सुरक्षित रहता है।

किसी अधिकारी का पुरुष या महिला होना महत्वहीन

मुंबई में रहने वालों को मुंबई नगर निगम का नेतृत्व करने के लिए एक शीर्ष स्तर के नौकरशाह को चुनने के लिए महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़णवीस का आभारी होना चाहिए। मेरे शहर के प्रत्येक निवासी के लिए दो नियुक्तियां सबसे अधिक मायने रखती हैं-नगर आयुक्त और पुलिस आयुक्त की। उनके व्यक्तित्व और मूल्य प्रणालियां हर मुंबईकर के जीवन को प्रभावित करती हैं। राज्य प्रशासन में वरिष्ठतम 'बाबू', मुख्य सचिव और कानून-व्यवस्था मशीनरी के प्रमुख डी.जी.पी. के कार्य मूल रूप से पर्यवेक्षी प्रकृति के होते हैं।

निवासियों को अच्छी नागरिक सुविधाएं, जलापूर्ति, गड्ढा मुक्त सड़कें और विश्वसनीय सीवेज निपटान की आवश्यकता होती है। नगर पालिका से यही मुख्य अपेक्षाएं हैं। वे अपने पुलिस बल से जीवन और संपत्ति की सुरक्षा की अपेक्षा करते हैं। अपेक्षित सेवा का स्तर प्रदान करने और जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरने के लिए, बी.एम.सी. और मुंबई शहर पुलिस के शीर्ष पदों पर आसीन व्यक्तियों को सबसे पहले निर्विवाद सत्यनिष्ठा वाला अधिकारी होना चाहिए। वे बहुत बुद्धिमान और सक्षम हो सकते हैं लेकिन यदि वे जनता की बजाय स्वयं की सेवा करने में अधिक रुचि रखते हैं, तो वे गलत दिशा में कदम बढ़ाएंगे। नगर पालिका और पुलिस, दोनों में बहुत अच्छे आयुक्त रहे हैं। राजनीतिक सत्ता में बैठे लोगों द्वारा संदिग्ध कारणों से विशेष रूप से चुने गए बहुत बुरे आयुक्त भी रहे हैं। अधिकांश नागरिक बहुत जल्दी जान जाते हैं कि कौन सार्वजनिक भलाई के लिए काम करता है और कौन खुद को समृद्ध करने के लिए।

अश्विनी भिड़े, जिन्हें एक सप्ताह पहले ही शहर का नगर आयुक्त नियुक्त किया गया था, सत्यनिष्ठा के लिए एक जबरदस्त प्रतिष्ठा के साथ आती हैं, जो सुशासन के लिए एक 'अनिवार्य शर्त' है। फड़णवीस द्वारा की गई यह दूसरी लगातार हालिया नियुक्ति है, जो इस मानदंड को पूरा करती है। दूसरी नियुक्ति सदानंद दाते की राज्य के डी.जी.पी. (पुलिस महानिदेशक) के रूप में थी। मैं अश्विनी भिड़े से उनके कार्यालय में केवल एक बार मिला था और वह कुछ साल पहले की बात है। वह शहर की मैट्रो को शुरू करने और चलाने की जिम्मेदारी संभाल रही थीं। उनकी प्राथमिकता परियोजना के लिए भूमि अधिग्रहण थी।

रॉयल वैस्टर्न इंडिया टर्फ क्लब के पास इस आवश्यक भूमि का कुछ हिस्सा था। आर.डब्ल्यू.आई.टी.सी. के अध्यक्ष विवेक जैन ने मुझसे अनुरोध किया कि मैं उनके साथ भिड़े से मिलने चलूं ताकि क्लब की साप्ताहिक रेसिंग आयोजित करने के लिए न्यूनतम आवश्यकताओं को स्पष्ट किया जा सके। विवेक और मैं दोनों एक सीधे, व्यावहारिक और गंभीर अधिकारी की अमिट छाप लेकर उनके कार्यालय से निकले, जिन्होंने विश्वास जगाया। मुझे पता चला कि वह न केवल अटूट सत्यनिष्ठा वाली अधिकारी थीं, बल्कि एक ऐसी अधिकारी भी थीं, जो उन्हें सौंपे गए कार्य के हर विवरण को जानने पर जोर देती थीं और बिना किसी अनावश्यक शोर-शराबे या प्रचार के उसे पूरा करती थीं।

नगर आयुक्त के रूप में उनकी नियुक्ति पर समाचार पत्रों की सुर्खियों ने इस तथ्य पर ध्यान केंद्रित किया कि वह बी.एम.सी. के आयुक्त के रूप में नियुक्त होने वाली पहली महिला हैं, जो 150 से अधिक वर्षों से अस्तित्व में है और संयोग से, जिसका बजट संघ के कुछ छोटे राज्यों से भी अधिक है। भिड़े ने सही बताया कि उनके लिंग का तथ्य महत्वहीन था। मैं उनसे पूरी तरह सहमत हूं। जिन लोगों की सेवा की जानी है, उनके लिए धर्म, जाति, लिंग मायने नहीं रखता। अधिकारी की योग्यता ही मायने रखती है।

भिड़े उन कई अन्य लोगों से बहुत ऊपर हैं, जो पहले उस पद पर रहे थे। और यदि समाचार पत्र उनके लिंग पर विस्तार से चर्चा करने के लिए इतने उत्सुक थे, तो उन्हें आई.ए.एस., आई.एफ.एस. और आई.पी.एस. की उत्कृष्ट महिलाओं की याद दिलानी होगी। जैसे विदेश सेवा अधिकारी निरुपमा राव, जो एक ऐसी सेवा से संबंधित होने के बावजूद एक घरेलू नाम हैं, जो सामान्य रूप से जनता का ध्यान आकर्षित नहीं करतीं।

पंजाब कैडर की एक आई.ए.एस. अधिकारी सरला ग्रेवाल, पहली महिला कैबिनेट सचिव और बाद में प्रधानमंत्री की प्रधान सचिव थीं। महाराष्ट्र कैडर में एक शीर्ष श्रेणी की आई.पी.एस. अधिकारी मीरा चड्ढा बोरवणकर थीं। उन्हें आज भी उनके अधीन सेवा करने वाले लोग प्यार से याद करते हैं। सबसे बड़ा पुरस्कार जिसकी एक लोक सेवक को, विशेष रूप से आई.ए.एस. या आई.पी.एस. में, आकांक्षा करनी चाहिए, वह जनता का प्यार और सम्मान है, जिसकी सेवा करने का उसे सौभाग्य मिला है।

यदि पद छोडने के वर्षों बाद भी लोग आपका अभिवादन करते हैं और आपसे बात करने आते हैं, तो इससे बड़ा कोई पुरस्कार नहीं हो सकता। लोग मूर्ख नहीं हैं। वे तुरंत पहचान लेते हैं कि कौन सा अधिकारी उनके लिए काम कर रहा है और वे, जो मुख्य रूप से अपनी सेवा करने के इच्छुक हैं। जब तक वे आधिकारिक पद पर रहते हैं, शायद गलत काम करके भी बच जाएंगे लेकिन सेवानिवृत्त होने के बाद, उनका उपेक्षित होना तय है।

यामी गौतम से तुलना पर मेधा शंकर बोलीं फर्क नहीं पड़ता, मैं बस उनकी फैन हूं

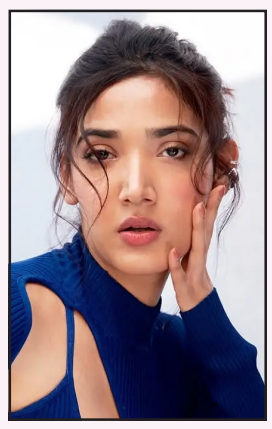

अभिनेत्री मेधा शंकर इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'गिन्नी वेड्स सनी 2' को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म में लीड रोल निभाने के कारण उनकी तुलना पहली फिल्म की हीरोइन यामी गौतम से हो रही है, लेकिन मेधा ने इन तुलनाओं पर साफ कहा है कि उन्हें इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। मेधा शंकर ने बताया, ऐसा कुछ भी नहीं है। मैं यामी गौतम और आदित्य धर दोनों को बहुत पसंद करती हूं। उन्हें अच्छी तरह पता है कि मैं उनकी कितनी बड़ी फैन हूं। यामी हमेशा से ही एक बेहतरीन अभिनेत्री रही हैं। कभी-कभी सम्मान मिलने में थोड़ा समय लग जाता है लेकिन उनका समय जरूर आएगा। मेधा ने आगे जोड़ा, यह तुलना की बात नहीं है। मैं उन सभी लोगों से प्रेरित होती हूं जिन्होंने मुझसे पहले, बाद या साथ में बेहतरीन काम किया है। मैंने कभी किसी से अपनी तुलना नहीं की और अगर कोई दूसरा करता भी है तो मुझे उससे कोई फर्क नहीं पड़ता। मेकर्स ने फिल्म का नया गाना तुमपे ही प्यार आ गया हाल ही में जारी किया है। इस गाने का संगीत सुशांत-शंकर की जोड़ी ने मिलकर तैयार किया जबकि इसके बोल कुमार ने लिखे हैं। गाने को लेकर मेधा शंकर ने भी खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा, जब मैंने पहली बार यह गाना सुना, तो मैं लिरिक्स में कहीं खो सी गई थी। यह सिर्फ एक गाना नहीं बल्कि प्यार के अलग-अलग रंगों को दिखाने वाला एक अनुभव है। 'गिन्नी वेड्स सनी' का पहला भाग साल 2020 में रिलीज हुआ था। इस हल्की-फुल्की रोमांटिक कॉमेडी में यामी गौतम और विक्रांत मैसी मुख्य भूमिका में थे। फिल्म को ओटीटी प्लेटफॉर्म पर दर्शकों का भरपूर प्यार मिला था। अब इसके सीक्वल 'गिन्नी वेड्स सनी 2' में नई जोड़ी नजर आएगी। फिल्म में मेधा शंकर के साथ अविनाश तिवारी लीड रोल में हैं। यह फिल्म 24 अप्रैल को रिलीज होने वाली है। 'गिन्नी वेड्स सनी 2' में मेधा शंकर पहली बार रोमांटिक कॉमेडी जॉनर में लीड रोल निभा रही हैं। दर्शक इस नई जोड़ी को लेकर काफी उत्सुक हैं।

भारत का फार्मा सेक्टर : नवाचार और युवाओं के लिए नया आकाश

भारत आज दुनिया की फार्मेसी के रूप में अपनी पहचान मजबूत कर चुका है, और माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'विकसित भारत' के विज़न के अनुरूप अब हम केवल जेनेरिक दवा बनाने वाले देश से आगे बढ़कर एक नवाचार-आधारित वैश्विक शक्ति बनने की दिशा में अग्रसर हैं। हमारी सरकार का उद्देश्य ऐसी नीतियां बनाना है जिससे देश के हर नागरिक कम कीमत में गुणवत्तापूर्ण दवाएं से मिल सकें। साथ ही सरकार निरंतर अनुसंधान और विकास को बढ़ावा दे रही है और भारतीय फार्मा उद्योग को वैश्विक स्तर पर और अधिक प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए काम कर रही है। भारत की अब तक की सफलता उसकी उत्पादन क्षमता, लागत दक्षता और गुणवत्ता मानकों पर आधारित रही है। विश्व की लगभग 20 प्रतिशत जेनेरिक दवाओं और 60 प्रतिशत वैक्सीन आपूर्ति के साथ देश ने वैश्विक स्वास्थ्य सुरक्षा में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इसको देखते हुए भारत सरकार ने 8 से 10 वर्षों में देश को उच्च-मूल्य, नवाचार-आधारित बायोफार्मा और उन्नत चिकित्सीय उत्पादों का वैश्विक केंद्र बनाने का लक्ष्य रखा है।

इसकी आधारशिला के रूप में हालिया केंद्रीय बजट में घोषित 10,000 करोड़ की 'बायोफार्मा शक्ति' पहल महत्वपूर्ण है। यह कार्यक्रम देश में वैज्ञानिक अनुसंधान, नवाचार आधारित उद्योगों और अगली पीढ़ी की दवाओं के विकास को गति प्रदान करेगा। आर्थिक आंकड़े भी इस बात को दर्शाते हैं कि भारत का फार्मास्युटिकल उद्योग वर्तमान में 50 अरब डॉलर का है। जिस रफ्तार से हम आगे बढ़ रहे हैं, 2030 तक इसके 130 अरब डॉलर तक पहुंचने की पूरी संभावना है। इसे केवल संख्या नहीं, बल्कि देश के लाखों युवाओं के लिए बेहतर भविष्य के रोडमैप के तौर पर भी देखने की जरूरत है।

वर्तमान में फार्मास्युटिकल उद्योग प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से 30 लाख से अधिक लोगों को रोजगार दे रहा है। 2030 तक हेल्थकेयर और फार्मा क्षेत्र में 20 से 25 लाख नए रोजगार सृजित होंने की उम्मीद है। बायोफार्मा, मेडटेक और क्लीनिकल रिसर्च जैसे उभरते क्षेत्रों ने संभावनाओं के नए द्वार खोल दिए हैं। हमारी सरकार का मानना है कि युवाओं की सफलता की नींव एक मजबूत शैक्षणिक ढांचे पर टिकी होती है। इसी विजन को ध्यान में रखते हुए, केंद्रीय बजट में फार्मा सेक्टर के लिए और भी कई क्रांतिकारी कदम उठाए गए हैं। सरकार ने देश में तीन नए राष्ट्रीय औषधीय शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (नाईपर) स्थापित करने का निर्णय लिया है। इसके साथ ही, वर्तमान में कार्यरत सात नाईपर संस्थानों को अपग्रेड किया जा रहा है। इन सात संस्थानों में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की स्थापना की गई है, जो अनुसंधान और विकास को नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगे। इन केंद्रों के माध्यम से विशेष क्षेत्रों में अनुसंधान को बढ़ावा दिया जा रहा है, नाईपर मोहाली में एंटी-वायरल और एंटी-बैक्टीरियल दवाओं की खोज एवं विकास, नाईपर अहमदाबाद में मेडिकल डिवाइसेज, नाईपर हैदराबाद में बल्क ड्रग्स, नाईपर कोलकाता में फ्लो केमिस्ट्री और सतत विनिर्माण, नाईपर रायबरेली में नोबेल ड्रग डिलीवरी सिस्टम, नाईपर गुवाहाटी में फाइटोफार्मास्यूटिकल्स तथा नाईपर हाजीपुर में बायोलॉजिकल थेरैप्यूटिक्स पर सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित किए गए हैं। इन संस्थानों का सीधा लाभ हमारे विद्यार्थियों को मिलेगा। नाईपर केवल डिग्री देने वाले संस्थान नहीं रह जाएंगे, बल्कि वे ऐसे केंद्र बनेंगे जहां छात्र उद्योग की वास्तविक चुनौतियों पर काम करेंगे। इससे हमारे छात्र केवल जॉब सीकर नहीं बल्कि जॉब क्रिएटर और नवाचारी बनेंगे। बदलते दौर में काम करने के तरीके बदल रहे हैं। अनुमान है कि 2030 तक फार्मा सेक्टर के लगभग 30-35 प्रतिशत कार्यबल को री-स्किलिंग यानी नए कौशल सीखने की जरूरत होगी। केयर डिलीवरी, रिसर्च और मैन्युफैक्चरिंग की परिभाषाएं बदल रही हैं। डेटा विश्लेषण, डिजिटल हेल्थ और नियामक मामलों में उच्च कौशल वाले युवाओं की मांग तेसे बढ़ेगी। हमारी सरकार का ध्यान इसी स्किल गैप को भरने पर है। हम चाहते हैं कि हमारे छात्र क्लीनिकल रिसर्च और अनुसंधान और विकास में विश्व स्तरीय प्रशिक्षण प्राप्त करें।

शिक्षा और उद्योग के बीच की दूरी को कम करना हमारी प्राथमिकता है। जब तक हमारे कॉलेजों में पढ़ाया जाने वाला पाठ्यक्रम और उद्योग की जरूरतें एक समान नहीं होंगी, तब तक हम जनसांख्यिकीय लाभांश का पूरा लाभ नहीं उठा पाएंगे इसीलिए, हम उद्योग-अकादमिक साझेदारी को मजबूत कर रहे हैं। इसी दिशा में, शिक्षा और उद्योग के बीच तालमेल बिठाने के लिए नाईपर और उद्योग के बीच 356 एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए हैं। साथ ही स्किल डेवलपमेंट मिशनों के माध्यम से छात्रों को सीधे कंपनियों के साथ जुड़ने के मौके दिए जा रहे हैं। इससे न केवल युवाओं की रोजगार क्षमता बढ़ेगी, बल्कि भारत एक ग्लोबल इनोवेशन हब बनेगा। औषधि क्षेत्र का विकास जीडीपी बढ़ाने के साथ-साथ देश के युवाओं को सशक्त बनाने का भी एक मिशन है। ज्ञान-आधारित अर्थव्यवस्था की नींव हमारे युवा वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं और पेशेवरों के कंधों पर है। नाईपर का विस्तार और बजट में किए गए प्रावधान इस बात का प्रमाण हैं।

तन्वी कोलते ने जीता बिग बॉस शो

रितेश देशमुख के रियलिटी शो बिग बॉस मराठी को अपना नया विनर मिल गया है. एक्ट्रेस तन्वी कोलते शो के छठवें सीजन की विजेता बनी हैं. उन्होंने टॉप 5 कंटेस्टेंट्स रहे राकेश बापट, विशाल कोटियन, अनुश्री माणे और दीपाली सईद को पीछे छोड़कर शो की चमचमाती ट्रॉफी और प्राइज मनी में 15 लाख रुपये, एक इलेक्ट्रिक स्कूटर और 10 लाख रुपये की डायमंड ज्वेलरी वाउचर जीता. बिग बॉस मराठी सीजन 6 में सलमान खान वाले बिग बॉस के कंटेस्टेंट्स भी शामिल थे. टॉप 5 में राकेश बापट और विशाल कोटियन थे, जो इस शो को जीतने की रेस में काफी आगे दिख रहे थे. मगर तन्वी की पॉपुलैरिटी ने उन्हें जीतने नहीं दिया. राकेश और विशाल के हाथों फिर से हार लगी. रितेश के शो में तन्वी एक बेहद स्ट्रॉन्ग कंटेस्टेंट थीं. हर टास्क में उनका परफॉरमेंस सबसे बेहतरीन होता था. यही वजह भी है कि तन्वी कोलते को टास्क क्वीन और धाकड़ गर्ल जैसे नाम दिए गए. बिग बॉस मराठी एक्ट्रेस की जिंदगी का सबसे बड़ा शो भी रहा. उनकी पर्सनैलिटी हमेशा एक बेबाक लड़की की रही, जिसने हर कदम पर अपनी बात खुलकर रखी.तन्वी बिग बॉस मराठी जीतने वाली दूसरी फीमेल कंटेस्टेंट बन गई हैं. उनसे पहले एक्ट्रेस मेघा धड़े ने शो का पहला सीजन साल 2018 में जीता था. इसके बाद बिग बॉस मराठी के चार विजेता बने, जिसमें से सभी मेल कंटेस्टेंट्स थे- शिव ठाकरे (सीजन 2), विशाल निकम (सीजन 3), अक्षय केलकर (सीजन 4) और सूरज चवन (सीजन 5). तन्वी कोलते ने इससे पहले सिर्फ एक सीरियल लक्ष्मी निवास किया था, जो साल 2024 में आया था. मराठी सिनेमा में ये उनके शुरुआती कदम हैं. अब इस शो से तन्वी की जिंदगी भी बदलने वाली है. उन्हें आगे चलकर काफी सफलता मिलेगी. बिग बॉस शो को आजतक जिस कंटेस्टेंट ने जीता है, उसे अपने करियर में आगे काफी काम मिला है. अब तन्वी मराठी फिल्मों में जल्द दिखेंगी या नहीं, ये तो वक्त आने पर हमें खुद पता चल जाएगा।

चाहत खन्ना ने धर्म परिवर्तन, आस्था और गलत बयानों पर खुलकर बात की

टीवी इंडस्ट्री में अक्सर सितारे अपनी प्रोफेशनल लाइफ को लेकर चर्चा में रहते हैं, लेकिन कुछ कलाकार ऐसे भी होते हैं जिनकी पर्सनल लाइफ ही सुर्खियों का सबसे बड़ी वजह बन जाती है. टीवी एक्ट्रेस चाहत खन्ना भी इन दिनों इसी वजह से चर्चा में हैं. दो तलाक, धर्म परिवर्तन और फिर अपनी पहचान को दोबारा खोजने तक का उनका सफर किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं रहा. अब उन्होंने खुद खुलकर बताया है कि उन्होंने इस्लाम कब और क्यों अपनाया और इस फैसले का उनकी जिंदगी पर क्या असर पड़ा.चाहत खन्ना ने कई टीवी सीरियल में काम किया है और लोगों के बीच पहचान बनाई है, लेकिन लंबे वक्त से वो अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर ही सुर्खियों में रहती हैं. हाल ही चाहत ने बातचीत के दौरान साफ किया कि उन्होंने इस्लाम धर्म किसी दबाव में नहीं, बल्कि अपनी मर्जी से अपनाया था. उन्होंने बताया कि शादी से पहले लिया गया ये फैसला पूरी तरह उनका खुद का डिसीजन था, लेकिन समय के साथ इस पर कई तरह की अफवाहें फैलने लगीं. चाहत ने कहा कि लोग अक्सर उनकी बातों को गलत तरीके से पेश करते हैं, जबकि वो खुद को सेक्युलर मानती हैं और हर धर्म का सम्मान करती हैं.एक्ट्रेस ने ये भी बताया कि उस दौर में वो इमोशनली काफी परेशान थीं. तलाक और निजी जिंदगी से जुड़ी खबरों ने उन्हें बहुत दिक्कत दे रही थी. उस वक्त को लेकर उन्होंने खुलासा किया कि उन्हें डर लगने लगा था कि कहीं ये निगेटिविटी उनके करियर पर असर न डाल दे. यहां तक कि कई लोगों ने भी उनसे ये कहा था कि इसकी वजह से उन्हें काम मिलने में दिक्कत हो सकती है. लेकिन, बाद में वक्त के साथ उन्हें एहसास हुआ कि वो बहुत छोटी चीज के लिए परेशान हो रही हैं. हालांकि, तलाक के बाद से उन्होंने वापस हिंदू धर्म अपना लिया।

मानुषी ने मालदीव बिखेरा जलवा

मिस वर्ल्ड 2017 और बॉलीवुड एक्ट्रेस मानुषी छिल्लर आए दिनों अपने लुक्स की वजह से सुर्खियां बटोरती रहती हैं. अब एक बार फिर मानुषी छिल्लर चर्चा में आ गई हैं और इसकी वजह है उनकी कुछ तस्वीरें. मानुषी छिल्लर हाल ही में मालदीव पहुंची हैं और वहां से कुछ फोटोज उन्होंने अपने सोशल मीडिया पर शेयर कीं. बढ़ती गर्मी से बचने के लिए मानुषी छिल्लर मालदीव पहुंचकर राहत की सांस ले रही हैं. मानुषी छिल्लर ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर कई फोटोज शेयर कीं, जिनमें वो मालदीव के बीच पर एंजॉय करती हुई दिख रही हैं. मानुषी छिल्लर इन तस्वीरों में येलो कलर की मोनोकिनी पहने हुए दिखीं. उनका ये लुक काफी पसंद आ रहा है. इन तस्वीरों को पोस्ट करते हुए मानुषी छिल्लर ने लिखा, द्वीप की लड़की. पीले कलर की मोनोकिनी के साथ मानुषी छिल्लर ने सनग्लासेस कैरी किया. इन तस्वीरों में मानुषी छिल्लर का ग्लैमरस अवतार नजर आ रहा है. इससे पहले मानुषी छिल्लर एक फोटो में बेबी ब्लू बिकिनी पहने नजर आ रही हैं।

मुझे नहीं लगता कि अपने लुक के लिए सर्जरी करवाना इतनी बड़ी बात है: खुशी

खुशी कपूर ने हाल ही में बॉलीवुड इंडस्ट्री में चल रही सबसे बड़ी बहसों में से एक पर खुलकर बात की। लोग अक्सर फिल्मी सितारों को बोटोक्स और इम्प्लांट जैसी कॉस्मेटिक सर्जरी करवाने के लिए जज करते हैं, लेकिन साथ ही, वे इन अभिनेताओं के लुक की तुलना भी करते हैं और इसी आधार पर उनके बारे में राय बनाते हैं। बॉलीवुड में नई अभिनेत्री खुशी कपूर ने अपने लुक को निखारने के लिए सर्जरी करवाने के अपने फैसले पर खुलकर बात की। खुशी कपूर से हाल ही में अपने लुक को निखारने और सुंदर बनाने के लिए कॉस्मेटिक प्रक्रियाओं की मदद लेने के बारे में उनकी राय पूछी गई। अभिनेत्री ने एक इंटरव्यू में स्वीकार किया कि उन्होंने भी कुछ ज़रूरी सर्जरी करवाई हैं और कहा, हाँ, मैंने अपना लुक बदला है। लेकिन हर कोई सोचता है कि मैंने खुद पर कुछ 10-20 चीजें करवाई हैं।ज़ाहिर है ऐसा नहीं है। मुझे नहीं लगता कि अपने लुक के लिए सर्जरी करवाना इतनी बड़ी बात है। मेरे लिए, अपने आस-पास के लोगों के साथ अपने लुक को लेकर बेईमानी करना ठीक नहीं है। बहुत सारे प्रभावित होने वाले युवा हैं जो हमें इंटरनेट पर फ़ॉलो करते हैं। उन्होंने आगे कहा, इसके अलावा, अगर हम अपने लुक के बारे में कुछ नहीं करते हैं, तो यह एक समस्या है और लोग आपके लुक के आधार पर आपको आंकेंगे, और अगर हम अपने लिए कुछ करते हैं, अपनी असुरक्षाओं को बढ़ावा देते हैं, तो भी लोगों को समस्या होती है।

पैपराजी पर आगबबूला हुई श्रुति हासन

जानी-मानी एक्ट्रेस और सिंगर श्रुति हासन फिल्मों की वजह से चर्चा में हों या न हों, लेकिन आए दिनों सोशल मीडिया पर चर्चा बटोरती रहती हैं. एक बार फिर श्रुति हासन सुर्खियों में आ गई हैं और उसकी वजह है एक वायरल वीडियो. हाल ही में श्रुति हासन मुंबई के एक रेस्टोरेंट के बाहर स्पॉट हुईं. वहां मौजूद पैपराजी और श्रुति हासन के बीच कुछ ऐसा मामला हो गया, जो खूब लाइमलाइट बटोर रहा है. एक पैपराजी ने श्रुति हासन से एक शब्द कह दिया, जिसे सुनते ही श्रुति हासन भड़क उठीं और उसकी अच्छे से क्लास लगा दी. श्रुति हासन का ये वीडियो खूब वायरल हो रहा है.

एक्ट्रेस श्रुति हासन और पैपराजी के बीच एक तीखी बहस ने ऑनलाइन सबका ध्यान खींचा. एक पब्लिक आउटिंग के दौरान पैपराजी ने श्रुति हासन को मम्मा दिया, जिसके बाद एक्ट्रेस आगबबूला हो गईं. श्रुति हासन ने वहीं सबके सामने पैपराजी की क्लास लगा दी, जिसके बाद पैपराजी की बोलती बंद हो गई. एक्ट्रेस का ये वीडियो तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है.बीते दिन श्रुति हासन मुंबई के एक रेस्टोरेंट से बाहर निकल रही थीं, तभी कुछ फोटोग्राफर्स ने उन्हें घेर लिया.

जब एक्ट्रेस तस्वीरें क्लिक करवाने के लिए रुकीं, तो वहां मौजूद पैपराजी में से एक ने उन्हें मम्मा कह कर बुलाया. हालांकि, एक्ट्रेस को ये बात अच्छी नहीं लगी. गुस्सा होकर श्रुति हासन ने पैपराजी को जवाब दिया, कौन है मम्मा? आपकी मम्मा है? क्या बक रहे हो तुम?. इस क्लिप पर ऑनलाइन मिले-जुले रिएक्शंस सामने आए. कई यूजर्स ने श्रुति का साथ दिया और पैपाराजी को उनकी लिमिट क्रॉस करने के लिए लताड़ा. एक यूजर ने लिखा, उन्होंने श्रुति को नहीं बुलाया, बल्कि वहां मौजूद एक बुजुर्ग महिला के साथ फोटो लेने को कहा, ये सोचकर कि वो एक्ट्रेस उनकी मां हैं. कुछ भी!

बक्सर-भरौली नए गंगा पुल पर महाजाम: बस खराब होने से 15 किमी लंबी कतार, भीषण गर्मी में 6 घंटे तक फंसे हजारों यात्री

बक्सर (संवाददाता)। बक्सर-भरौली नए गंगा पुल पर सोमवार को हालात पूरी तरह से बेकाबू हो गए, जब एक निजी यात्री बस के अचानक खराब हो जाने से इस महत्वपूर्ण मार्ग पर कई घंटों तक यातायात ठप हो गया। उत्तर प्रदेश और बिहार को जोड़ने वाले इस व्यस्त पुल पर लगा जाम इतना भीषण था कि दोनों ओर मिलाकर करीब 15-16 किलोमीटर तक वाहनों की लंबी कतार लग गई।

दोपहर के समय यूपी से बिहार की ओर आ रही एक बस जैसे ही पुल के बीचों-बीच पहुंची, उसमें तकनीकी खराबी आ गई और वह अचानक रुक गई। पुल की संकरी संरचना और भारी ट्रैफिक दबाव के कारण बस को तुरंत हटाना संभव नहीं हो सका। इसके चलते पीछे से आ रहे ट्रक, बसें और छोटे वाहन धीरे-धीरे रुकते चले गए और कुछ ही समय में स्थिति विकराल जाम में बदल गई। देखते ही देखते जाम का दायरा उत्तर प्रदेश की ओर गाजीपुर जिले के बढ़नपुरा तक करीब 15 किलोमीटर तक फैल गया, जबकि बिहार की तरफ बक्सर-आरा मार्ग पर भी वाहनों की लंबी लाइन लग गई। सड़क पर फंसे हजारों यात्री चिलचिलाती धूप और तेज गर्मी के बीच घंटों तक परेशान होते रहे।

सबसे ज्यादा परेशानी बसों और कारों में बैठे बच्चों, बुजुर्गों और बीमार लोगों को हुई। कई लोग पानी के लिए तरसते दिखे, जबकि गर्मी के कारण कुछ यात्रियों की तबीयत भी बिगड़ने की खबर सामने आई। बसों के अंदर बैठे लोग पसीने से तर-बतर हो गए और छोटे बच्चों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और स्थानीय प्रशासन मौके पर पहुंचा, लेकिन जाम की गंभीरता को देखते हुए उसे नियंत्रित करना आसान नहीं था। क्रेन की उपलब्धता समय पर नहीं होने के कारण राहत कार्य में देरी हुई। अंततः पुलिस ने स्थानीय स्तर पर ट्रैक्टर की व्यवस्था करवाई और खराब बस को पुल से हटाकर बक्सर की ओर सुरक्षित स्थान पर खड़ा कराया। इसके बाद धीरे-धीरे वाहनों का आवागमन शुरू हो सका, लेकिन पूरी तरह जाम खुलने में लगभग 6 घंटे लग गए।

इस पूरे घटनाक्रम ने प्रशासनिक व्यवस्थाओं पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि इतने महत्वपूर्ण पुल पर आपात स्थिति से निपटने के लिए पर्याप्त संसाधन और त्वरित व्यवस्था होनी चाहिए थी, लेकिन ऐसा नहीं दिखा। स्थिति को और गंभीर बनाने वाली बात यह रही कि सोमवार की सुबह भी इसी क्षेत्र में एक बड़ा सड़क हादसा हुआ था। नसीरपुर मठ गांव के पास एक ट्रक और ट्रेलर के बीच आमने-सामने की जोरदार टक्कर हो गई थी, जिससे करीब 3 घंटे तक आवागमन बाधित रहा। सुबह के जाम का असर दोपहर तक बना रहा, और फिर बस खराब होने की घटना ने समस्या को कई गुना बढ़ा दिया।

लगातार जाम की समस्या से परेशान भरौली गोलंबर और आसपास के ग्रामीणों तथा दुकानदारों ने प्रशासन के प्रति कड़ी नाराजगी जाहिर की है। उनका कहना है कि यहां रोजाना जाम लगना आम बात हो गई है। भारी वाहनों की धीमी गति, खराब सड़कें और अव्यवस्थित ट्रैफिक व्यवस्था के कारण क्षेत्र के लोगों का जीवन प्रभावित हो रहा है। दुकानदारों ने बताया कि दिनभर उड़ने वाली धूल से न केवल उनका व्यापार प्रभावित हो रहा है, बल्कि स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं भी बढ़ रही हैं। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि ट्रैफिक प्रबंधन को दुरुस्त किया जाए, सड़क की मरम्मत कराई जाए और पुल पर आपातकालीन सेवाओं की व्यवस्था मजबूत की जाए, ताकि भविष्य में ऐसी स्थिति से बचा जा सके। इस घटना ने एक बार फिर यह साफ कर दिया है कि बढ़ते यातायात दबाव के बीच बुनियादी ढांचे और प्रबंधन में सुधार की सख्त जरूरत है, वरना ऐसे महाजाम लोगों के लिए लगातार परेशानी का कारण बनते रहेंगे।

बक्सर में गरमा फसल बीज वितरण शुरू: हजारों किसानों को अनुदान पर मिल रहे मूंग, मक्का और उरद के बीज

बक्सर (संवाददाता)। जिले में गरमा फसल की खेती को बढ़ावा देने के लिए कृषि विभाग ने बीज वितरण अभियान शुरू कर दिया है। जिले के सभी प्रखंड कृषि कार्यालयों से किसानों के बीच अनुदानित दर पर बीज उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इससे किसानों में उत्साह का माहौल है और बड़ी संख्या में किसान अपने-अपने प्रखंड कार्यालयों का रुख कर रहे हैं।

जिला कृषि पदाधिकारी धर्मेंद्र कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि जिन किसानों ने ऑनलाइन आवेदन किया था, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर बीज वितरित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस योजना का उद्देश्य किसानों को बेहतर गुणवत्ता के बीज उपलब्ध कराकर उनकी आय में वृद्धि करना है। इस वर्ष जिले को गरमा फसल के तहत मूंग, उरद और हाईब्रिड मक्का के बीज वितरण का लक्ष्य मिला है। विभाग के अनुसार मूंग का 640 क्विंटल, हाईब्रिड मक्का का 60 क्विंटल और उरद का 185 क्विंटल बीज किसानों के बीच वितरित किया जाएगा।

गरमा फसल के बीज के लिए जिले के 11 प्रखंडों से कुल 6,894 किसानों ने ऑनलाइन आवेदन किया है। विभाग ने सभी पात्र किसानों को संबंधित प्रखंड कृषि कार्यालय से संपर्क कर समय पर बीज प्राप्त करने की अपील की है, ताकि बुआई में किसी तरह की देरी न हो। कृषि विभाग के अनुसार गरमा फसल न केवल किसानों के लिए लाभदायक है, बल्कि यह मिट्टी की सेहत सुधारने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। अधिकारियों ने किसानों को सलाह दी है कि फसल तैयार होने के बाद फलियों की तुड़ाई कर लेने के पश्चात उसके अवशेष को खेत में ही पलट दें।

एनएच-31 पर ट्रक-ट्रेलर की भीषण टक्कर में गाजीपुर के चालक की मौत, दो गंभीर घायल

बक्सर (संवाददाता)। बक्सर-भरौली से सटे क्षेत्र में सोमवार देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसे ने पूरे इलाके को दहला दिया। नेशनल हाईवे-31 पर नरही थाना क्षेत्र के कोरंटाडीह चौकी अंतर्गत नसीरपुर मठ गांव के सामने ट्रक और ट्रेलर की आमने-सामने हुई जोरदार भिड़ंत में एक चालक की मौत हो गई, जबकि दो अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

पुलिस के अनुसार, यह हादसा रात करीब 2:30 बजे हुआ। भरौली की ओर से गाजीपुर जा रहा बालू लदा ट्रेलर और गाजीपुर से बक्सर की तरफ आ रहा खाली ट्रक नसीरपुर मठ गांव के पास आमने-सामने टकरा गए। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों वाहनों के केबिन पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए और उसकी आवाज दूर तक सुनाई दी।

हादसे की तेज आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंच गए और तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही नरही थाना पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंची और राहत-बचाव कार्य शुरू किया। दुर्घटना के बाद दोनों वाहनों में चालक और खलासी बुरी तरह फंस गए थे, जिन्हें बाहर निकालने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। ग्रामीणों की मदद से पुलिस ने घायलों को किसी तरह बाहर निकाला और तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (CHC) नरही पहुंचाया। वहां से प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर रूप से घायल दो लोगों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। इस हादसे में गाजीपुर जिले के जमानियां थाना क्षेत्र के ताजपुर मांझा निवासी 42 वर्षीय चालक बिट्टू यादव की मौत हो गई। बताया गया कि उन्हें अस्पताल ले जाया जा रहा था, लेकिन रास्ते में ही उन्होंने दम तोड़ दिया। वहीं, ट्रेलर में सवार राम अवतार (25 वर्ष) और विमल (29 वर्ष), जो बस्ती जिले के निवासी हैं, गंभीर रूप से घायल बताए जा रहे हैं और उनका इलाज चल रहा है। घटना के बाद मृतक के परिजनों में कोहराम मच गया। मृतक के पिता कमला यादव की तहरीर पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

दुर्घटना के चलते हाईवे पर दोनों क्षतिग्रस्त वाहन बीच सड़क पर ही फंस गए थे, जिससे NH-31 पर लंबा जाम लग गया। रात के समय भी वाहनों की लंबी कतार लग गई और आवागमन पूरी तरह बाधित हो गया। पुलिस ने मौके पर क्रेन मंगवाकर क्षतिग्रस्त ट्रक और ट्रेलर को हटवाया, जिसके बाद कई घंटों की मशक्कत के बाद यातायात को बहाल किया जा सका। यह हादसा एक बार फिर हाईवे पर तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चलाने के खतरों की याद दिलाता है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि इस मार्ग पर यातायात नियमों का सख्ती से पालन कराया जाए और रात के समय पेट्रोलिंग बढ़ाई जाए, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं को रोका जा सके।

अक्षय तृतीया पर गंगा घाटों पर उमड़ी आस्था की भीड़

हजारों श्रद्धालुओं ने लगाई पवित्र डुबकी, पूरे दिन रहा भक्तिमय माहौल

बक्सर (संवाददाता)। जिले में सोमवार को अक्षय तृतीया का पावन पर्व पूरे श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। तड़के सुबह से ही गंगा स्नान के लिए श्रद्धालुओं का सैलाब शहर के प्रमुख घाटों पर उमड़ पड़ा। रामरेखा घाट, नाथ बाबा घाट, सती घाट, गोला घाट और सिद्धनाथ घाट समेत सभी गंगा घाटों पर दिनभर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखने को मिली।

सबसे अधिक भीड़ रामरेखा घाट पर रही, जहां हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने गंगा में डुबकी लगाकर पुण्य लाभ अर्जित किया। गंगा घाटों पर भक्ति और आस्था का अद्भुत संगम देखने को मिला। 'हर-हर गंगे' और 'जय श्री हरि' के जयघोष से पूरा वातावरण गूंज उठा, जिससे माहौल पूरी तरह आध्यात्मिक हो गया।

गंगा स्नान के बाद श्रद्धालु नजदीकी मंदिरों में पहुंचे और भगवान विष्णु व माता लक्ष्मी की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। कई स्थानों पर पंडितों द्वारा अक्षय तृतीया के महत्व पर प्रवचन भी दिए गए। रामरेखा घाट पर पुजारियों ने श्रद्धालुओं को बताया कि वैशाख शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि पर गंगा स्नान और भगवान विष्णु की पूजा करने से अक्षय पुण्य की प्राप्ति होती है। इस दिन किया गया दान कभी समाप्त नहीं होता, इसलिए इसे अत्यंत शुभ माना जाता है।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार अक्षय तृतीया पर सोना, चांदी और अन्य आभूषण खरीदना भी शुभ माना जाता है। इस अवसर पर कई लोगों ने खरीदारी के साथ-साथ दान-पुण्य भी किया। श्रद्धालुओं ने मिट्टी के घड़े में पानी भरकर, हाथ पंखा, अनाज, वस्त्र और धन का दान किया। गरीबों और जरूरतमंदों के बीच अन्न और वस्त्र वितरण भी किया गया।

इस पावन दिन पर कई परिवारों ने अपने बच्चों के पारंपरिक संस्कार भी संपन्न कराए। रामरेखा घाट पर बड़ी संख्या में बच्चों का मुंडन संस्कार विधि-विधान के साथ कराया गया। इसके अलावा कर्ण छेदन और अन्य मांगलिक कार्य भी संपन्न हुए। पूरे दिन घाटों पर मांगलिक गीतों और धार्मिक अनुष्ठानों की ध्वनि गूंजती रही।

श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए प्रशासन पूरी तरह सतर्क नजर आया। सभी प्रमुख घाटों पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। पुलिस बल के साथ-साथ गोताखोरों की भी तैनाती की गई थी, ताकि किसी भी अप्रिय घटना से निपटा जा सके। रामरेखा घाट और नाथ बाबा घाट जैसे प्रमुख स्थानों पर पुलिस अधिकारी खुद मौजूद रहकर व्यवस्था की निगरानी कर रहे थे।

यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए घाटों की ओर जाने वाले मार्गों पर विशेष प्रबंध किए गए। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए बड़े वाहनों के प्रवेश पर रोक लगा दी गई थी और छोटे वाहनों के लिए अलग व्यवस्था की गई थी। कुल मिलाकर, बक्सर में अक्षय तृतीया का पर्व श्रद्धा, भक्ति और सामाजिक सद्भाव के साथ शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। गंगा घाटों पर उमड़ी आस्था की भीड़ ने इस पावन दिन को और भी विशेष बना दिया।

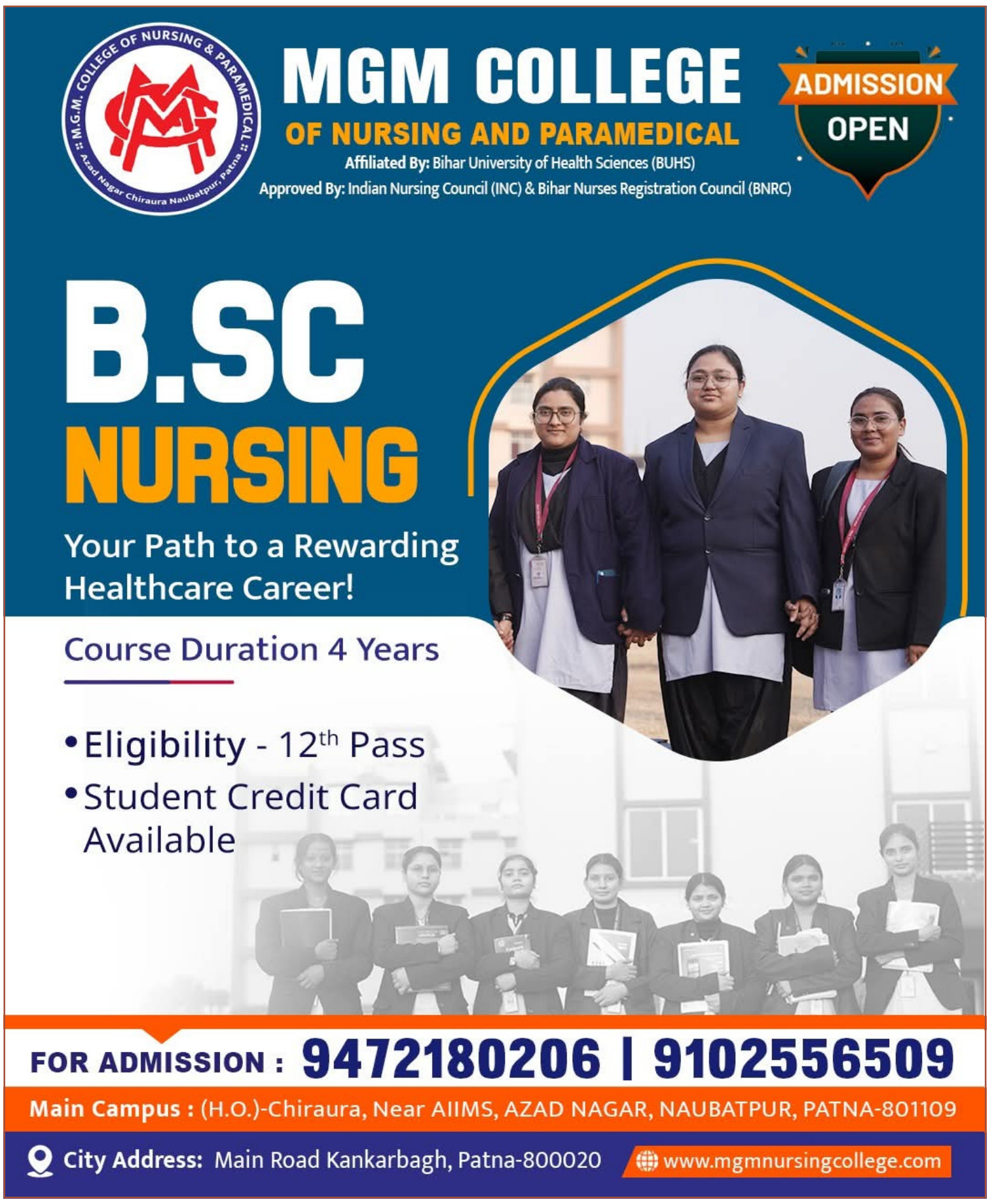

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक मतिउर्रहमान द्वारा अजीमाबाद प्रिंटर्स, आर. सी. एफ./105, ग्राउण्ड फ्लोर, बी. एच. कॉलोनी, भूतनाथ रोड, कंकड़बाग, पटना- 800026 बिहार से मुद्रित एवं अमला टोली, मेन रोड़, बक्सर -802101, बिहार से प्रकाशित, संपादक- मतिउर्रहमान, E-mail:- qalamlok@gmail.com, Regn. No. BIHHIN/2017/72480